E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 99 | प्रयागराज, गुरूवार 25 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिकी सीनेट में ईरान जंग के खिलाफ प्रस्ताव हुआ पास, ट्रम्प से सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा

पीस डील पर यूएई को मनाने पहुंचे रूबियो

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने ईरान जंग के खिलाफ प्रस्ताव पास किया है। 50-48 वोटों से मंजूर हुए इस प्रस्ताव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए कहा गया है। इससे पहले हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में भी इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। 1973 के वॉर पॉवर्स एक्ट के बाद यह पहला मौका है, जब अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों ने किसी राष्ट्रपति से युद्ध जैसी कार्रवाई खत्म करने की मांग की है। वोटिंग के दौरान चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया, जिससे ट्रम्प की पार्टी के भीतर बढ़ती बागवत भी सामने आई।हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि इस प्रस्ताव का कोई कानूनी असर नहीं होगा और अमेरिकी सैन्य कार्रवाई पहले ही समाप्त हो चुकी है। इसी बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो यूएई, बहरीन और कुवैत के दौरे पर पहुंचे हैं। उनका मकसद अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर खाड़ी देशों की चिंताओं को दूर करना है। इन देशों को आशंका है कि समझौते से होर्मुज स्ट्रेट में ईरान का प्रभाव बढ़ सकता है। साथ ही समझौते में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर कोई स्पष्ट शर्त नहीं होने से भी सवाल उठ रहे हैं।अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता में ईरान के पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर के संभावित फंड पर भी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि इसमें खाड़ी देशों से आर्थिक सहयोग मांगा जा सकता है। ऐसे में वॉशिंगटन अपने सहयोगी देशों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरानी राष्ट्रपति पाकिस्तान पहुंचे: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान एक दिन की यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे। इस दौरान अमेरिका और ईरान के बीच हुई पीस डील पर चर्चा हुई। 2. भारत से जुड़े 11 जहाजों ने होर्मुज पार किया: अमेरिका-ईरान के बीच 17 जून को हुए समझौते के बाद अब तक 11 जहाज होर्मुज पार कर भारत की ओर रवाना हो चुके हैं। 3. होर्मुज से 1.9 करोड़ बैरल तेल गुजरा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि सोमवार को होर्मुज से 1.9 करोड़ बैरल तेल की आवाजाही हुई, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

'ईरान में भारतीय दूतावास ने ताजा एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों से कहा है कि वे दूतावास के साथ अपना रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं। दूतावास ने भारतीयों से कहा है कि वे उच्च स्तर की सावधानी बरतें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क बनाए रखने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में भारतीय नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने, स्थानीय समाचारों पर नजर रखने और सुरक्षा से जुड़ी आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने को भी कहा गया है। भारतीय दूतावास ने कहा कि रजिस्ट्रेशन से जरूरत पड़ने पर भारतीय नागरिकों तक जल्दी पहुंचने और उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।'

4. इजराइल अपने हथियार खुद बनाएगा: इजराइली पीएम ने कहा कि इजराइल को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर सैन्य निर्भरता कम करनी होगी और खुद हथियार बनाना सीखना होगा।

5. ट्रम्प ने ईरान को फिर से धमकी दी: ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता या सही तरीके से व्यवहार नहीं करता, तो वह फिर से कार्रवाई करने को तैयार हैं।कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा है कि देश में एलएनजी का उत्पादन अगले कुछ हफ्तों में सामान्य हो सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका-ईरान अंतरिम समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट में हालात बेहतर होने लगे हैं और कतरएनर्जी उत्पादन बहाल करने की तैयारी कर रही है।

एअर इंडिया का विमान पाक एयरस्पेस में घुसा, तकनीकी गड़बड़ी से भटका,पाक ने चेतावनी देकर लौटाया

अमृतसर। एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी से मिली जानकारी के मुताबिक, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। यह विमान अपने तय समय से 3 मिनट देरी से उड़ा था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आई।विमान को रात 10 बजकर 30 मिनट पर अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह रूट से भटक गया और पाकिस्तान के एयर स्पेस में जा घुसा। इस बात का पता पायलट को भी तब लगा, जब पाकिस्तान एयर ट्रैफिक अथॉरिटी से विमान को चेतावनी मिलने लगी। इस घटना के तुरंत बाद पायलट ने विमान का रास्ता बदला और यू-टर्न लेकर वापस भारत के एयरस्पेस में आया। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी। समय निकल जाने के बाद विमान अमृतसर की सीमा में पहुंचा, लेकिन ट्रैफिक बढ़ने से विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। एयरपोर्ट कंट्रोल रूम से विमान को वापस दिल्ली जाने के निर्देश मिले। इसके बाद विमान वापस दिल्ली गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। करीब 2 घंटे बाद दोबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 4 घंटे की देरी से 2 बजकर 20 मिनट पर अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया।

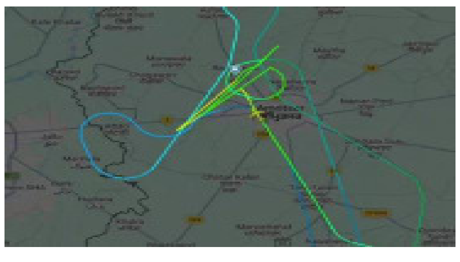

स्वामी प्रसाद का विवादित बयान- श्रीराम में ताकत नहीं,वह अपने लुटेरों को सजा नहीं दे पाए,आंखे मूंदकर भरोसा न करे

अयोध्या। अयोध्या में चढ़ावा मामले में स्पेशल इन्वेस्टिशन टीम ने जांच रिपोर्ट में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना है। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा है। अभी टीम ने अपना डेरा वहीं दाल रखना हैं। एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया। इनमें चंपत राय के करीबी माने जाने वाले फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं। उनके पास 3 लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत 25 लाख है। एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार की तरफ से रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को मिल गई है। पीएमओ तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए।

सिंगापुर की दो कंपनियों पर 400 भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का वेतन रोकने का आरोप-महीनों से नहीं मिला पैसा

सिंगापुर। सिंगापुर में काम कर रहे करीब 400 प्रवासी मजदूरों, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों और बांग्लादेशियों की है, ने दो कंपनियों पर वेतन नहीं देने का आरोप लगाया है। शिकायतों के बाद सिंगापुर का श्रम मंत्रालय जांच में जुट गया है, जबकि प्रवासी श्रमिकों की मदद करने वाले संगठन प्रभावित मजदूरों को भोजन और कानूनी सहायता दे रहे हैं। श्रम मंत्रालय ने सोमवार को केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज के खिलाफ जांच शुरू की थी। शुरुआत में करीब 100 मजदूरों ने शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन बाद में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर करीब 400 पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनियों के भुगतान नहीं करने के कारण भोजन सप्लाई करने वालों ने भी कुछ दिन पहले मजदूरों को खाना देना बंद कर दिया था। इसके बाद माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों को भोजन और दूसरी मदद उपलब्ध कराई। सरकार ने कहा है कि प्रभावित मजदूर नई नौकरी भी तलाश सकते हैं। वहीं श्रमिक संगठनों का कहना है कि कई मजदूर नौकरी और वर्क परमिट खोने के डर से समय पर शिकायत नहीं करते। मामले की जांच जारी है। अधिकारियों के साथ-साथ कई गैर-सरकारी संगठन भी मजदूरों की शिकायतों और कंपनियों की स्थिति की जांच कर रहे हैं।

पाकिस्तान में बलोच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद, हत्या और आतंकवाद मामले में दोषी करार दिया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने बलोच मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलोच और उनके दो सहयोगियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। क्वेटा की एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने तीनों को हत्या और आतंकवाद से जुड़े मामले में दोषी ठहराया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, महरंग बलोच, सिबगतुल्लाह और बलाच कादिर ने एक भीड़ को उकसाया था, जिसने अर्धसैनिक बल के जवान शब्बीर अहमद की हत्या कर दी थी। 33 वर्षीय महरंग बलोच बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की प्रमुख हैं और बलूचिस्तान में कथित जबरन गुमशुदगी के मामलों को लेकर लंबे समय से अभियान चलाती रही हैं। उन्हें पिछले साल मार्च में कई अन्य कार्यकर्ताओं के साथ गिरफ्तार किया गया था। फैसले के बाद पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने इसकी समीक्षा की मांग की है। आयोग का कहना है कि मानवाधिकारों की वकालत करने वालों के साथ चरमपंथियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। वहीं बलोच यकजेहती कमेटी ने फैसले को बलोच समुदाय के खिलाफ बताया है।स्वीडिश कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने भी मुकदमे की आलोचना करते हुए इसे न्याय का मजाक करार दिया है। फैसले के बाद पाकिस्तान में मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस तेज हो गई है।

ट्रम्प की धमकी से ईरान नाराज, अमेरिका से बातचीत रोकी,कहा-दबाव में बात नहीं करेंगे

तेहरान। स्विट्जरलैंड में 21 जून को ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत ट्रम्प की धमकी की वजह से खत्म हो गई। ईरानी वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा, 'करीब 80 मिनट की बातचीत के बाद मुझे पता चला कि ट्रम्प ने हमारे राष्ट्रपति, हमारी वार्ता टीम और हमारे इलाके को लेकर धमकी भरे बयान दिए हैं।' गालिबाफ ने कहा कि इसके बाद ईरानी डेलिगेशन ने बैठक खत्म कर दी और वहां से चला गया। उन्होंने बताया कि बाद में अमेरिकी पक्ष ने मध्यस्थों के जरिए एक और बैठक करने की इच्छा जताई, लेकिन ईरान ने इसे स्वीकार नहीं किया। ईरानी टीम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ हाथ मिलाने और संयुक्त फोटो सत्र में शामिल होने से इनकार कर दिया। इसे लेकर जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा-'लोग सोचते हैं कि केवल नेतन्याहू ही बातचीत को नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन कई बार ट्रम्प के अचानक और सख्त बयानों से भी तनाव पैदा हो जाता है।'

दिल्ली में बच्ची से रेप/हत्या करने वाले आरोपी को गोली मारी,अस्पताल में भर्ती-भागने की कोशिश कर रहा था-पुलिस

नयी दिल्ली। दिल्ली में 11 साल की बच्ची से रेप और उसकी हत्या का आरोपी मंगलवार रात पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस का दावा है कि उसे क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी उसने भागने की कोशिश की। रोकने के लिए उसे पैर में गोली मार दी गई। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित बच्ची गुब्बारा बेचती थी। सोमवार सुबह फुटपाथ पर सो रही थी। आरोप है कि टैक्सी ड्राइवर बबलू ने उसे अगवा किया। उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगल में फेंक दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से चार घंटे में ही बबलू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया। पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। नींद में बच्ची को उठाया, जंगल में ले गया-आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि सड़क से गुजरते समय उसने सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर बच्ची को सोते हुए देखा था। उसने नींद में ही बच्ची को उठाया और कार की पिछली सीट पर लिटाकर महरौली के जंगलों में ले गया, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार फुटपाथ पर ही सोता था। बच्ची गुब्बारे बेचती थी, जबकि माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। परिवार में चार बच्चे हैं, जिसमें ये 11 साल की बच्ची भी शामिल थी। महरौली पुलिस थाने से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। परिवार पहले किराए पर रहता था। गरीबी के चलते किराया नहीं दे पाए तो घर खाली करना पड़ा। इसके बाद परिवार फुटपाथ पर ही रहने लगा था। वहीं, एप बेस्ड कैब चलाने वाला आरोपी ड्राइवर भी बिहार का ही रहने वाला है। उसके ऊपर पहले से भी मारपीट और नशे में टैक्सी चलाने के कुछ केस दर्ज हैं।

सरकार बोली- एथेनॉल फ्यूल में चीटियां लगने का वीडियो फ़र्ज़ी,इंजन खराब की कोई रिपोर्ट नहीं

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एथेनॉल फ्यूल को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाना पूरी तरह से साइंटिफिक है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। हाल में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वाहन के फ्यूल टैंक के पास चींटियां दिखाई गई थीं। इस पर भारत पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ईंधन ग्रेड एथेनॉल में कोई शर्करा (चीनी) नहीं होती। मंत्रालय के अनुसार, कुछ लोग पुराने वीडियो और तस्वीरों को सोशल मीडिया पर दोबारा शेयर कर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। सरकार ने कहा कि ई20 पेट्रोल डालने के बाद इंजन खराब होने की कोई रिपोर्ट अभी तक सामने नहीं आई है। ई20 पेट्रोल से वाहन बीमा पर कोई असर नहीं-केंद्र सरकार ने यह भी साफ किया है कि ई20 पेट्रोल (20फीसदी एथेनॉल फ्लेक्स ईंधन) के इस्तेमाल से वाहन बीमा (इंश्योरेंस) की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ता। इस तरह की आशंकाएं गलत हैं और संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद इन्हें खारिज कर दिया गया है। सरकार के अनुसार, अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे देशों में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। ब्राजील में तो ई27 लंबे समय से ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

आधुनिक समाचार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NO:-UPHIN/2015/63398

प्रयागराज से प्रकाशित

"आधुनिक समाचार" आधुनिक भारत की नई आवाज

अंकपत्र, LIC बांड, रजिस्ट्री पेपर, लाइसेंस खो गया, गुमशुदा, नाम, पता, जन्मतिथि परिवर्तन, अन्य कामर्शियल विज्ञापन उचित दर पर छपवाने के लिए सम्पर्क करें। +91 79914 85344

उत्तर कोरिया को अगले पांच वर्षों तक साल में 2 युद्धपोत बनाने चाहिए-किम

कोरिया। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि देश को अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाने चाहिए। उन्होंने मंगलवार को नए विध्वंसक युद्धपोत 'चोए ह्योन' के कमीशनिंग समारोह में कहा कि देश की नौसेना का आधुनिकीकरण तेज गति से आगे बढ़ेगा और इसकी परमाणु क्षमता भी मजबूत होगी। राज्य समाचार एजेंसी केसीएनए के मुताबिक किम ने नामपो बंदरगाह पर आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम 5,000 टन क्षमता वाले बहुउद्देशीय विध्वंसक युद्धपोत चोए ह्योन की तैनाती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। किम ने कहा कि अगले पांच वर्षों में हर साल इसी क्षमता के दो युद्धपोत बनाए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तर कोरिया जल्द ही कांग कोन नामक एक और 5,000 टन क्षमता वाला विध्वंसक युद्धपोत तैनात करेगा। इसके अलावा 10,000 टन क्षमता वाले रणनीतिक युद्धपोतों को भी नौसेना में शामिल करने की योजना है। कांग कोन युद्धपोत पिछले वर्ष लॉन्चिंग समारोह के दौरान आंशिक रूप से पलट गया था, जिसके बाद उसकी मरम्मत की गई। किम जोंग उन ने कहा कि अब तक उत्तर कोरिया की नौसेना उसकी सैन्य शक्ति का सबसे कमजोर हिस्सा थी, लेकिन नए कार्यक्रमों के बाद इसकी क्षमता 'कल्पना से परे' स्तर तक पहुंच जाएगी।

विशेष सम्मान एवं स्वागत समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मंगलवार को श्री राम टूर एंड ट्रैवल्स के प्रबंधन मनीष विश्वकर्मा द्वारा एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हमारे प्रबंधक श्री मनीष विश्वकर्मा जी ने एचडीएफसी बैंक (नैनी शाखा) में सीनियर रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर कार्यरत और हनुमान जी के परम भक्त विवेक कुमार सोनकर को उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व और कार्यकुशलता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया। मनीष विश्वकर्मा जी ने उन्हें हमारी टीम का हिस्सा बनने के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके साथ जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त की। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह जुड़ाव हम सभी के लिए प्रगतिशील और सफल साबित होगा। आपकी कार्यशैली और समर्पण के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

जिलाधिकारी ने इंडस्ट्रियल एरिया का किया निरीक्षण,व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा आज इंडस्ट्रियल एरिया सुल्तानपुर रोड का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में संचालित औद्योगिक इकाइयों की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, सुरक्षा मानकों तथा आधारभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कहीं भी जलभराव, कूड़ा-करकट या अव्यवस्था न रहने पाए। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया में कार्यरत श्रमिकों एवं उद्यमियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत व्यवस्था, जल निकासी, सड़कों की स्थिति एवं अग्नि सुरक्षा उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने अग्निशमन मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए तथा कहा कि सभी औद्योगिक इकाइयां सुरक्षा उपकरणों से सुसज्जित रहें। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या की शिकायत प्राप्त होने पर उसका त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए, ताकि उद्योगों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, एसोसिएशन के विभिन्न एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

27 लीटर अवैध कच्ची शराब व 15 किलो लहन बरामद कर नष्ट, 3 अभियोजन पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-5 सरिता सिंह मय हमराह द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा डलमऊ तहसील के थाना डलमऊ ग्राम-पूरे पासीन नर्सवा, अचलगंज, राधाबलमपुर, सहभादा के कई क्षेत्रों में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में लगभग 27 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं लगभग 150 किलो लहन बरामद कर लहन को मौके पर नष्ट किया गया एवं 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किया गया ।जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

खनन, स्टाम्प, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा एवं गेहूँ खरीद की समीक्षा बैठक सम्पन्न,नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा कर दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खनन, स्टाम्प एवं पंजीयन, राजस्व संग्रह, खाद्य सुरक्षा, पूर्ति विभाग तथा गेहूँ खरीद से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टास्क फोर्स द्वारा औचक निरीक्षण कर अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए। सभी तहसीलों में यह सुनिश्चित कराया जाए कि नदी के किनारे कही पर भी बालू का अवैध खनन न हो तथा प्रवर्तन की कार्यवाही को और अधिक सख्ती से लागू किया जाए। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आय बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। राजस्व संग्रह की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बकाया वसूली में तेजी लाएं और लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें। खाद्य सुरक्षा एवं पूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, इसके साथ ही रिक्त राशन की दुकानों का शीघ्र आवंटन कराया जाए। पेट्रोलियम पदार्थों (डीजल, पेट्रोल एवं घरेलू गैस) की समीक्षा करते हुवे निर्देश दिए कि खुदरा बिक्री केंद्र डीजल केवल वाहनों के टैंक अथवा पेसो से अनुमोदित कंटेनर में ही बिक्री करेंगे और एक दिन में एक ग्राहक/वाहन को 200 ली0 से ज्यादा डीजल बिक्री नहीं करेंगे, यदि 200 ली0 से अधिक डीजल लेना है तो कारण/ किस प्रयोजन में प्रयुक्त किया जाना है का उल्लेख करते हुवे जिला पूर्ति अधिकारी के पास प्रत्यावेदन देना होगा। खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि सावन माह के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु सड़क के किनारे की समस्त दुकानों की जांच करा ली जाए इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करा लिया जाए कि सभी दुकानों पर रेट लिस्ट डिस्प्ले की गई है।गेहूँ खरीद की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्रय केंद्रों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान देते हुए किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के दैेश दिए। उन्होंने कहा कि सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा भुगतान समयबद्ध तरीके से किसानों के खातों में किया जाए। नगरीय निकाय एवं डूडा योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्र में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), पीएम स्वानिधि तथा अन्य डूडा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, परियोजना निदेशक (डूडा) शशि कुमार मेहरोत्रा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खनन अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं परीक्षण हेतु अधिकारियों को नामित कर दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने जनपद में दिव्यांगता से ग्रसित मूक बधिर, अस्थिबाधित एवं क्लेफ्ट लिप से बच्चों का कॉक्लियर इम्प्लांट एवं करेक्टिव सर्जरी कराये जाने हेतु बच्चों के चिन्हांकन, परीक्षण एवं उपचार की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को नामित करते हुए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि 01 जुलाई से 04

जुलाई 2026 तक संबंधित विकास खण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 05 वर्ष तक आयु के दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन एवं प्राथमिक परीक्षण कराया जाएगा।

इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के माध्यम से 05 वर्ष तक आयु के दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन कराते हुए उन्हें निर्धारित तिथि एवं स्थान पर प्राथमिक जांच हेतु लाने एवं पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्राथमिक जांच के उपरांत पात्र बच्चों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र एवं अंतिम परीक्षण के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, रायबरेली ले जायें।

वहीं मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वे एमओआईसी के माध्यम से चिन्हित बच्चों का प्राथमिक परीक्षण कराएं तथा जिन बच्चों को कॉक्लियर इम्प्लांट, करेक्टिव सर्जरी अथवा क्लेफ्टलिप उपचार की आवश्यकता हो, उन्हें आगे की जांच एवं परीक्षण हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भेजें। इसके पश्चात 07 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, रायबरेली में मेडिकल बोर्ड द्वारा बच्चों का विस्तृत परीक्षण कराया जाएगा।परीक्षण उपरांत पात्र बच्चों को दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी करेंगे तथा कॉक्लियर इम्प्लांट एवं करेक्टिव सर्जरी के लिए अंतिम सूची तैयार कर जिलाधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करायेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को समस्त विभागों एवं अधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित कर कार्य पूर्ण करायेंगे।

इसके अतिरिक्त 24 जून 2026 को प्रातः 11 बजे विकास भवन सभागार में जनपद के सभी विकास खण्डों की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन संबंधी कार्यों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि दिव्यांग बच्चों से संबंधित यह कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य होगी।

पीएम आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्मित आवासीय भवनों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अवशेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा आज रायबरेली विकास प्राधिकरण (आरडीए) के माध्यम से बरखापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्मित बहुमंजिला आवासीय भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परिसर व बिल्डिंग का अवलोकन करते हुवे निर्माण गुणवत्ता एवं मूलभूत सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने भवनों के बाहरी एवं आंतरिक हिस्सों का निरीक्षण करते हुए पाया कि कुछ कार्य अभी भी अवशेष हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाहरी एवं आंतरिक जो भी कार्य शेष हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपन्न हों। उन्होंने परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराकर योजना के उद्देश्यों को सफल बनाया जाए। साथ ही, उन्होंने आवासीय परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी सुनिश्चित करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ सहित लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम (शहरी) एवं नगर पालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों के लिए सुनहरा अवसर : रायबरेली में निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरण योजना शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली जनपद के किसानों के लिए कृषि विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। किसानों की आय बढ़ाने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा श्री अन्न (मोटे अनाज) के उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न फसलों के निःशुल्क बीज मिनीकिट उपलब्ध कराए गए हैं। इन मिनीकिटों के वितरण के लिए किसानों की बुकिंग प्रक्रिया संचालित की जा रही है। कृषि विभाग के अनुसार इच्छुक किसान अपने निकटतम राजकीय कृषि बीज भण्डार, विकास खण्ड स्तर पर तैनात कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से भी बुकिंग कराई जा सकती है। निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद किसानों को निःशुल्क बीज मिनीकिट उपलब्ध कराए जाएंगे। जनपद में वर्तमान समय में उरद के 1,958 पैकेट, मूंग के 300 पैकेट, अरहर के 1,600 पैकेट (प्रति पैकेट 04 कि0ग्रा0) इसी तरह कोदो के 233 पैकेट, रागी (मंडुआ) के 990 पैकेट (प्रति पैकेट 03 कि0ग्रा0) तथा तिल के 1,400 पैकेट (प्रति पैकेट 02 कि0ग्रा0) एवं बाजरा के 3,554 पैकेट (प्रति पैकेट 01 कि0ग्रा0) उपलब्ध हैं। प्रत्येक फसल के लिए निर्धारित मात्रा में बीज पैकेट किसानों को निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि दलहनी फसलें जैसे मूंग, उरद और अरहर न केवल किसानों को बेहतर आय देती हैं, बल्कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाती हैं। वहीं तिल जैसी तिलहनी फसलें कम लागत में अच्छी आमदनी का स्रोत बन सकती हैं क्योंकि बाजार में इनकी मांग लगातार बनी रहती है। श्री अन्न की श्रेणी में आने वाले बाजरा, रागी (मंडुआ) और कोदो आज स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच भी चर्चा का विषय हैं। ये फसलें पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं और कम पानी तथा प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसी फसलें किसानों के लिए अधिक लाभकारी और सुरक्षित विकल्प साबित हो रही हैं। कृषि विभाग किसानों को इन फसलों की खेती अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है। विभाग का मानना है कि श्री अन्न, दलहनी एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ पोषण सुरक्षा को भी मजबूत किया जा सकता है। जिला कृषि अधिकारी अखिलेष पाण्डेय ने किसानों से अपील की है कि वे पूेंः//ूग्म्ल्ूली.ल्ज्ुदन.ग्ह पोर्टल पर अथवा अन्य उपलब्ध माध्यमों से शीघ्र बुकिंग कराकर निःशुल्क बीज मिनीकिट का लाभ उठाएं। चूंकि मिनीकिटों की संख्या सीमित है, इसलिए पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर वितरण किया जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऐसी फसलों को भी अपनाएं जो कम लागत में अधिक लाभ देने वाली हों। श्री अन्न, दलहनी और तिलहनी फसलें न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेंगी बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

वरिष्ठ जनों के विधिक अधिकार विषय पर आयोजित किया गया जागरूकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के तत्वाधान वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली का निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा किया गया। सचिव द्वारा वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी वृद्धजनों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना गया तथा सभी वृद्धजनों के लिए विधिक जागरूकता व सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत सचिव द्वारा सभी वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी गयी। निरीक्षण के दौरान सचिव द्वारा वृद्धाश्रम में पर्याप्त साफ-सफाई, वृद्ध महिलाओं की विशेष देखभाल किये जाने व वृद्ध महिलाओं की सेवा के लिए नियुक्त सेवादार पूर्ण समर्पण व निष्ठा से कार्य करें इस हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया गया।

सचिव द्वारा सभी वृद्धजनों को बताया गया कि वृद्धों को भी पूरी मानवीय गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। इसके अतिरिक्त इंटर्नशिप कर रही छात्राओं द्वारा वृद्धजनों के अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के अधीक्षक धनजंय सिंह, लेखाकार हिमांशु सिंह, भण्डारी अनुज श्रीवास्तव, इंटर्नशिप छात्रा रीता यादव व अविका श्रीवास्तव एवं पराविधिक स्वयं सेवक अजीत कुमार उपस्थित रहे।

वन स्टॉप सेन्टर का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा वन स्टाप सेन्टर, रायबरेली के सम्बन्ध में उपस्थित सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति से जानकारी ली गयी। सेन्टर मैनेजर आस्था ज्योति द्वारा वन स्टाप सेन्टर में महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं से सचिव,

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि किसी प्रकार की समस्या के सम्बन्ध में प्रार्थनापत्र प्राप्त हो तो अविलम्ब उसे कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेषित करें। इसके अतिरिक्त नवांगतुक बालिकाओं/महिलाओं को विधिक अधिकार, चिकित्सकीय, मानसिक, दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं को नियमानुसार उपलब्ध कराये जाने की सलाह दी गयी। निरीक्षण दौरान काउंसलर श्रद्धा सिंह, केसवर्कर अर्चना सिन्हा, ज्ञाना यादव, एम0टी0एस0 राकेश कुमार मिश्रा व कम्प्यूटर ऑपरेटर साधना श्रीवास्तव उपस्थित रही।

कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त,जिलाधिकारी ने की महत्वपूर्ण बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट सभागार

में जनपद लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक कोचिंग संस्थान में आग लगने की हुई दर्दनाक घटना का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करना रहा।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त कोचिंग संस्थानों का तत्काल निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने फायर सेफ्टी से संबंधित व्यवस्थाओं की विशेष समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी संस्थानों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट), पर्याप्त वेंटिलेशन, विद्युत वायरिंग की सुरक्षित व्यवस्था तथा भवन की संरचनात्मक मजबूती का भी परीक्षण किया जाए। विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की खामी को तत्काल दूर कराया जाए, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। समस्त उप जिलाधिकारी व नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों की सूची तैयार कर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि सभी संस्थान मानक के अनुरूप संचालित हो रहे है तथा मानक के विपरीत संचालित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सभी संस्थान अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करें तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित कर विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, सचिव रायबरेली विकास प्राधिकरण/ अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव सहित समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत, फायर सेफ्टी, विद्युत विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर कोचिंग संस्थानों व लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण,फायर सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर तीन संस्थानों को किया गया सील

छात्रों की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं, नियमों का पालन सुनिश्चित करें संचालक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़

के निर्देश के क्रम में आज जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी का संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम में उप जिलाधिकारी सदर श्री अश्विनी कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री राम सहनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं अग्निशमन व्यवस्था के मानकों की गहन जांच की गई। जांच में कई गंभीर कमियां पाए जाने पर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। निरीक्षण के दौरान डी0एल0जे0डी0सी0 लाइब्रेरी, रॉबर्ट्सगंज में अग्निशमन उपकरण उपलब्ध नहीं पाए गए। संस्थान का आवश्यक पंजीकरण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। निकास मार्ग के रूप में केवल एक संकरी सीढ़ी पाई गई, जिसमें बीच में शू-रैक रखा हुआ था, जिससे आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थियों के सुरक्षित निकास में बाधा उत्पन्न हो सकती थी। इसके अतिरिक्त परिसर में विद्युत वायरिंग अव्यवस्थित पाई गई तथा विद्युत तार खुले एवं बिखरे हुए मिले, जो गंभीर अग्नि दुर्घटना का कारण बन सकते थे। इसी प्रकार संस्कार लाइब्रेरी, रॉबर्ट्सगंज एवं रिसर्च एंड रिसोर्स कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, रॉबर्ट्सगंज में भी फायर सेफ्टी मानकों एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं में गंभीर कमियां पाई गईं। निरीक्षण टीम ने इन कमियों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए सील की कार्यवाही की गयी। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने निर्देश दिए हैं कि जनपद में संचालित सभी कोचिंग संस्थान, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र एवं लाइब्रेरी निर्धारित सुरक्षा मानकों, अग्निशमन नियमों तथा पंजीकरण संबंधी प्रावधानों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन एवं सुरक्षा से किसी प्रकार का शिथिलता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन द्वारा संबंधित संस्थानों को सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं पूर्ण करने तथा सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही संचालन की अनुमति दिए जाने की कार्यवाही की जाये।

जिला जज, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार चुर्क (घुर्मा) का किया औचक निरीक्षण,सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता एवं बंदियों को उपलब्ध सुविधाओं का लिया विस्तृत जायजा

बंदियों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं, व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला जज श्री राम

सुलिन सिंह, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने बुधवार को जिला कारागार चुर्क (घुर्मा), सोनभद्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सामग्री की व्यवस्था का अवलोकन किया। साथ ही बंदियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके स्वास्थ्य, उपचार, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याओं को भी सुना।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कारागार की बैरकों, पेयजल व्यवस्था, स्नानागार, शौचालय एवं परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाए। जिला जज, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों के अधिकारों एवं सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कारागार में अनुशासन, सुरक्षा एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

घाघर नदी सेतु निर्माण में लापरवाही पर ठेकेदार पर 20 लाख रुपये की पेनाल्टी,जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश, 50 दिन में कार्य पूर्ण करने की समयसीमा तय

निर्धारित कार्ययोजना से विचलन होने पर और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में

आयोजित जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने पटवध-बसुहारी मार्ग पर घाघर नदी के ऊपर निर्माणाधीन सेतु, पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदार को फटकार लगाई। बैठक में बताया गया कि उक्त परियोजना के संबंध में पूर्व में भी कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं तथा 20 जून 2026 तक गर्डर लॉन्चिंग पूर्ण करने का आश्वासन ठेकेदार द्वारा दिया गया था। इसके बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने के लिए संबंधित ठेकेदार मेसर्स परीक्षित निर्माणक पर 20 लाख रुपये की लिक्विडेटेड डैमेज (एलडी) पेनल्टी लगाए जाने के निर्देश दिए। यह धनराशि आगामी देयकों से काटी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य की गति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रगति नहीं मिली तो भविष्य में देयकों से और अधिक धनराशि की कटौती सहित कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में ठेकेदार द्वारा 24 जून 2026 से आगामी 50 दिनों के भीतर, अर्थात 12 अगस्त 2026 तक सम्पूर्ण कार्य पूर्ण करने की सहमति व्यक्त करते हुए विस्तृत साप्ताहिक कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुरूप प्रत्येक सप्ताह कार्यस्थल पर वास्तविक प्रगति दिखाई देनी चाहिए। यदि निर्धारित लक्ष्य से कम प्रगति पाई गई तो अतिरिक्त पेनल्टी लगाए जाने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भी नियमित निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर कर परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी तथा स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

क्रिकेटर आकाशदीप की शादी, काशी में अक्षिता संग लेंगे फेरे

वाराणसी।भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप की आज काशी में शादी है। शादी समारोह ताज गंगेज होटल में रखा गया है। मंडप को शिव मंदिर की थीम पर सजाया गया है। बुधवार तड़के आकाशदीप और उनकी मंगेतर अक्षिता परिवार संग वाराणसी पहुंचे। आकाशदीप की शादी में करीब 350 मेहमानों के शामिल होने की संभावना है। होटल में एंट्री के लिए क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। आकाशदीप और उनकी मंगेतर अक्षिता राज दोनों ही बिहार के सासाराम (रोहतास) के रहने वाले हैं। बिहार सरकार ने 4 दिन पहले ही आकाशदीप को डीएसपी बनाया था। शादी में मेहमानों को परोसी जाने वाली थाली की कीमत करीब 4500 रुपए बताई जा रही है। इसमें बनारसी के साथ इंटरनेशनल डिशेज शामिल होंगी। वहीं, दूल्हा-दुल्हन को सजाने के लिए दिल्ली से मेकअप आर्टिस्ट बुलाए गए हैं।

अगले 3 दिनों में एमपी-यूपी पहुंचेगा मानसून

लखनऊ। मानसून की मुंबई में एंट्री के पहले 24 घंटे में ही लोगों की परेशानी बढ़ गई। मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार

सुबह 7 बजे तक दो मलवणी फायर स्टेशन में 334एमएम, एफ/साउथ वार्ड में 328एमएम बारिश हुई है। इसके अलावा 27 इलाकों में 200एमएम से 300एमएम के बीच बारिश हुई। मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भर गया। इसे अस्थाई रूप से बंद किया गया है। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी रिटेनिंग वॉल गिर गई। मुंबई और पालघर में बारिश का रेड, ठाणे-रायगढ़ और सिंधुदुर्ग में ऑरेंज अलर्ट है। इधर, देश के 7 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। एमपी के 17 जिलों में मंगलवार को प्री-मानसून बारिश रही। बिहार में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। राजस्थान में 1 से 21 जून तक सामान्य से 41फीसदी ज्यादा बारिश हुई। इस दौरान सामान्य बारिश 28एमएम होती है, जबकि इस सीजन में अब तक 39.3एमएम औसत बारिश हो चुकी है। यूपी के 6 शहरों में 60किमी/घंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। हालांकि, पूर्वी यूपी में तेज धूप है और उमस हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून तेलंगाना, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ इलाकों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात में पहुंच सकता है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ समेत 16 जिलों में आज बारिश का अलर्ट है। वहीं, पश्चिमी यूपी के जिलों में तेज धूप का असर है, जिसके चलते आज 38 जिलों में हीटवेव की चेतावनी है। राज्य का बांदा 43.8डिग्री तापमान के साथ देश में सबसे ज्यादा गर्म रहा।

कूड़ा उठाने के नाम पर जनता की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: अविनाश सिंह

सेक्टर-53 एलिवेटेड रोड के नीचे कूड़े से भरी गाड़ी से बाइक सवार पर गिरा बोरा, बड़ी अनहोनी टली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में सफाई व्यवस्था के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने

के बावजूद जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। सेक्टर-53 एलिवेटेड रोड के नीचे एक कूड़ा उठाने वाली गाड़ी से लापरवाही के चलते एक बोरा अचानक गिर गया, जो बाइक सवार के ऊपर जा गिरा। गनीमत रही कि बाइक सवार की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि कूड़े से भरी गाड़ी बिना उचित सुरक्षा व्यवस्था के सड़क पर चल रही है और रास्ते में सामान गिरता जा रहा है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने इस घटना पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि नोएडा की जनता की सुरक्षा के साथ इस तरह का खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर किसी व्यक्ति की जान चली जाती तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता? करोड़ों रुपये के टेंडर लेने वाली कंपनियों को जनता की जिंदगी से ज्यादा अपने मुनाफे की चिंता है। युवा क्रांति सेना के नेतृत्व में जल्द ही प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी, जिसमें वायरल वीडियो, फोटो और अन्य साक्ष्यों के साथ पूरे मामले को नोएडा की जनता के सामने रखा जाएगा। युवा क्रांति सेना की मांग है कि लापरवाही करने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई हो। दोषी कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया जाए। जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों की जवाबदेही तय हो।

यूपी में हरियाणवी डांसर की कार पर हमला,रोते हुए बोलीं- लड़कों ने बेशर्मी की हदें पार की

बुलंदशहर। यूपी में ग्रेटर नोएडा और बुलंदशहर के बॉर्डर एरिया में हरियाणवी डांसर डिंपल चौधरी पर हमला हुआ। डिंपल ने दावा किया कि दो लड़कों ने डंडा मारकर गाड़ी का फ्रंट शीशा तोड़ दिया। डिंपल छोटे भाई के साथ छोटी बहन के पास बुलंदशहर के सिकंदरा जा रही थी। रात करीब 11.30 बजे रास्ते में बाइक सवार हमलावरों ने मेरी ब्रेजा कार को

चौधरी का एक रोते हुए वीडियो भी सामने आया है। इसमें वह कह रही हैं- 'बेशर्मी की भी एक हद होती है। मैं मेरी बहन के घर जा रही थी। मेरी गाड़ी का ये हाल कर दिया।' डिंपल ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा-'हमले के बाद मैं काफी घबरा गई थी। मैं बेसुध हो गई, जिसके चलते अस्पताल ले जाना पड़ा। पहले भी मुझे धमकी मिली थी, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अब पुलिस किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है। जल्द ही इस मामले की पुलिस से शिकायत करूंगी।' डिंपल ने बताया कि सोमवार को अपने निशाना बनाया। हमले के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया -'पूरी घटना की जांच पड़ताल की गई। ये प्रकरण बुलंदशहर का नहीं, ग्रेटर नोएडा के अल्फा थाने क्षेत्र का है। चूंकि, बुलंदशहर और ग्रेटर नोएडा के बॉर्डर एरिया का मामला है। जिसके चलते सिंगर को गलतफहमी हुई है। ग्रेटर नोएडा पुलिस मामले कर जांच कर रही है।' डर की वजह से बेसुध, भाई अस्पताल ले गया:-डिंपल ने बताया- कार ड्राइवर चला रहा था। रास्ते में एक सीएनजी पंप पर रुकी। जहां भाई ने कोल्ड ड्रिंक और चिप्स खरीदे। इस दौरान मेरी एक फ्रेंड भी फोन आया तो उससे बात हो रही थी। रात करीब 11.30 बजे जानलेवा हमला हुआ। भाई और ड्राइवर मुझे वहां से लेकर अस्पताल पहुंचे। इसके बाद मैं अपनी बहन के घर नहीं गई। अपने घर लौट आई। डिंपल ने आरोप लगाया कि गाड़ी पर हमले के दौरान मेरे पास न तो कोई बॉडीगार्ड था और न ही गाड़ी में किसी प्रकार का कोई हथियार था। ऐसे में हमला करने वाले लोग उन्हें जान से भी मार सकते थे। फोन पर जान से मारने की धमकी मिल चुकी:-डांसर ने बताया- पिछली बार जब मुझे फोन पर धमकी मिली थी तो मैंने चौकी में जाकर शिकायत भी दी थी। वहां पुलिसकर्मी से आरोपी से फोन पर बातचीत हुई थी, लेकिन करीब दो घंटे तक थाने में बैठाए रखा। जब कुछ नहीं हुआ तो घर लौट आई। अभी तक उस मामले में भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब जानलेवा हमला हुआ। कॉल करने वाले ने चंबल का डॉन बताया था:-18 जून को भी डिंपल चौधरी को एक धमकी भरा फोन आया था। उन्होंने बताया था कि कॉल करने वाले ने खुद को चंबल का डॉन बताया था। धमकी देने वाले ने कहा था, 'घर से उठाऊंगा। घर से एके-47 निकलेगी।' उन्होंने इस कॉल से जुड़ी 2 ऑडियो-वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं। पहली रिकॉर्डिंग कॉलरः मैडम, मैंने आपकी रील देखी थी।

डांसरः रील तो पूरी दुनिया देखती है, इसका मतलब यह थोड़ी ना है कि मुझे कॉल करेगा। कॉलरः मुझे आपसे प्यार हो गया है। डांसरः मैं बहुत एक गंदी गालियां दे दूंगी। आप बदतमीजी करते हो। ऐसे शब्द क्यों यूज करते हो, जिससे मैं गाली या गलत बोलने के लिए मजबूर हो जाऊं। तुझे बुढ़ापे में प्यार हो गया है क्या? मेरा नंबर कहां से मिला। कॉलरः एके- 47 तेरे घर से निकाल दूंगा। डांसरः दोबारा से बोलना क्या बोल रहे थे? कॉलर - रिकॉर्डिंग करनी है तो कर ले, कोई दिक्कत ना है, ठीक है। डांसरः क्या मतलब है एके- 47 घर से निकल जाएगी। दूसरी रिकॉर्डिंग डांसरः आप मुझे क्यों परेशान कर रहे हो? कॉलरः तेरे को घर से जबरदस्ती उठा लाऊंगा। डांसरः ऐसे कैसे घर से जबरदस्ती उठा सकते हो। कॉलरः मैं तोप हूं और चंबल का डाकू हूं? डांसरः आप चंबल के हो तो मुझे जबरदस्ती कैसे उठा सकते हो? कॉलरः उठाने के बाद बता दूंगा कैसे उठा सकता हूंष्ठ गाली देते हुए- रिकॉर्डिंग की तो ङङङदूं हूं मैं। डांसरः मैंने तो आपको कहा नहीं। ना ही मैं आपकी रिकॉर्डिंग कर रही हूं। आईफोन में कोई रिकॉर्डिंग भी नहीं होती। कॉलरः आईफोन मेरे पास भी है, यह सोच रहे हो कि तुम्हारे पास ही आईफोन है। डांसरः मैंने आपको कभी नहीं देखा, ना ही कभी मैं आपसे मिली और फिर मेरे से आपको कैसे प्यार हो गया। कॉलरः आप रिकॉर्डिंग करके पुलिस वालों को सुनाना चाहते हो क्या? बता देना यह चंबल का डॉन है। डांसरः मैं अपने भाई की कसम खाकर कह रही हूं मैंने कोई रिकॉर्डिंग नहीं की है?

जिलाधिकारी के निर्देशन में निजी अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई, क्रीघा हॉस्पिटल व दुर्गा पॉली क्लिनिक सीज, जीवनदीप हॉस्पिटल की ओटी सीज, सहारा हॉस्पिटल को आयुष्मान योजना से डी-पैनल करने की संस्तुति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में जनपद में संचालित निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम एवं क्लीनिकों के विरुद्ध विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर, उपजिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं क्षेत्राधिकारी रॉबर्ट्सगंज की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पंचशील हॉस्पिटल, छपका एवं बनारस पॉली क्लिनिक, उरमौरा में व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं मानकों के अनुरूप पाई गईं। वहीं क्रीघा हॉस्पिटल, पन्नूगंज रोड में चिकित्सक अनुपस्थित मिलने पर ओपीडी, वार्ड एवं ऑपरेशन थिएटर को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया।

जीवनदीप हॉस्पिटल, कम्हारी में भर्ती मरीजों के अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने तथा एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के नोट्स उपलब्ध न होने पर अस्पताल की ओटी सीज कर दी गई। सहारा हॉस्पिटल, बभनौली में मरीजों के चिकित्सकीय अभिलेख अपूर्ण पाए जाने पर आयुष्मान भारत योजना से डी-पैनल किए जाने की संस्तुति शासन को भेजी जा रही है।

इसके अतिरिक्त दुर्गा पॉली क्लिनिक में लगातार दूसरी बार चिकित्सक अनुपस्थित मिलने पर क्लिनिक को सीज कर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, मानकों की अनदेखी अथवा नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

जलाशयों, बांधों एवं कुओं पर सुरक्षा जालियां लगाकर चलाया जा रहा विशेष जन-जागरूकता अभियान

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को लेकर व्यापक पहल,गांवों, स्कूलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर-बैनर के माध्यम से लोगों को किया जा रहा जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में विशेष जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जलाशयों, बांधों, कुओं तथा अन्य संवेदनशील जल स्रोतों के आसपास सुरक्षा जालियां लगाने के साथ-साथ नागरिकों को संभावित दुर्घटनाओं एवं

आपदाओं से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत क्या करें, क्या न करें संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों वाले पोस्टर एवं बैनर विद्यालयों, स्कूलों, ग्राम पंचायतों तथा सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जा रहे हैं। इसके माध्यम से बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों को जल स्रोतों के समीप बरती जाने वाली सावधानियों तथा आपदा की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जा रही है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि जन-जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए अधिकाधिक लोगों तक सुरक्षा संदेश पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता एवं जागरूकता के माध्यम से ही आपदाओं से होने वाली जनहानि को रोका जा सकता है। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल स्रोतों के आसपास विशेष सतर्कता बरतें तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन कर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

सीबीएचआई रिपोर्टिंग में शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

ओपीडी रजिस्टर में निदानवार विवरण अंकित करना अनिवार्य : उप निदेशक,संचारी एवं गैर-संचारी रोगों की नियमित रिपोर्टिंग पर दिया गया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो (सीबीएचआई), क्षेत्रीय कार्यालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की उप निदेशक श्रीमती दीक्षा सचदेवा (आईएसएस) के नेतृत्व में मुख्य चिकित्साधिकारी सोनभद्र की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में सीबीएचआई रिपोर्टिंग से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप निदेशक श्रीमती दीक्षा सचदेवा ने उपस्थित ब्लॉक अधीक्षकों, प्रभारी चिकित्साधिकारियों एवं फार्मासिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ चिकित्सालयों से प्राप्त रिपोर्टों में केवल मरीजों का नाम एवं आयु दर्ज की जा रही है, जबकि निदान (डायग्नोसिस) संबंधी विवरण अंकित नहीं किया जा रहा है। उन्होंने संचारी एवं गैर-संचारी रोगों से संबंधित आंकड़ों की शुद्ध एवं नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर निर्धारित प्रारूप में सूचनाओं का संकलन कर राज्य स्तर पर प्रेषित किया जाए तथा तत्पश्चात जिला स्तर से सूचनाएं समयबद्ध रूप से भेजी जाएं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक ओपीडी पर्ची एवं ओपीडी रजिस्टर पर रोग का स्पष्ट निदान अंकित करना सुनिश्चित करें। साथ ही ओपीडी समाप्ति के पश्चात प्रतिदिन निदानवार सारांश भी रजिस्टर में दर्ज किया जाए। बैठक

में समस्त फार्मासिस्टों को निर्देशित किया गया कि वे ओपीडी रजिस्टर को प्रतिदिन की डायग्नोसिस रिपोर्ट के अनुसार व्यवस्थित करें, जिससे सीबीएचआई पोर्टल पर सही एवं गुणवत्तापूर्ण सूचनाएं प्रेषित की जा सकें। बैठक में उप निदेशक श्रीमती दीक्षा सचदेवा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा, कनिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी अभिषेक सिंह एवं स्वाती सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी बीबीडी डॉ. प्रेम नाथ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस. यादव, जिला मलेरिया अधिकारी धर्मेन्द्र नारायण श्रीवास्तव, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सूबेदार प्रसाद, जिला संयुक्त चिकित्सालय के डॉ. बी.के. श्रीवास्तव, डॉ. गणेश प्रसाद, जनपद के समस्त ब्लॉक अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी, फार्मासिस्ट तथा आईडीएसपी के डाटा मैनेजर श्री आशीष कुमार कटारा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 60 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

'सामूहिक विवाह समारोह में गूंजे मंगलगीत, नवदंपत्तियों को मिला जनप्रतिनिधियों का आशीर्वाद,सरकार ने दिया सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का उपहार, प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता,58 हिंदू एवं 2 मुस्लिम जोड़ों का रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुआ विवाह,दुद्धी और शाहगंज में भी जल्द आयोजित होंगे सामूहिक विवाह कार्यक्रम'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को विकास बैकेट, मुसही (चुर्क रोड), रॉबर्ट्सगंज में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानजनक वैवाहिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 60 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में 58 हिंदू एवं 2 मुस्लिम जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। पूरे आयोजन स्थल पर मंगलगीतों और शुभकामनाओं का वातावरण रहा तथा नवदंपत्तियों के चेहरों पर नई जिंदगी की खुशियां झलकती रहीं। कार्यक्रम में मा0 सांसद श्री छोटेलाल खरवार जी, मा0 विधायक श्री भूपेश चौबे जी, ब्लॉक प्रमुख श्री अजीत रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए जोड़ों में

विकास खंड रॉबर्ट्सगंज के 32, चतरा के 13, नगवां के 5, नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज के 8 तथा नगर पंचायत चुर्क के 2 जोड़े शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में समाज कल्याण विभाग, विकास विभाग एवं पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को रूपया 01 लाख की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें रूपया 64 हजार सीधे कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए जाते हैं, जबकि रूपया 21 हजार मूल्य की गृहस्थी एवं उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। शेष राशि विवाह आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त कुमार सिंह, डीसी मनरेगा श्री रविन्द्र वीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्तर, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 24 जून को दुद्धी तथा 29 जून को शाहगंज में भी सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिकाधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

विमेंस वर्ल्डकप में भारत का सेमीफाइनल पहुंचना टेढ़ी खीर, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराना पड़ेगा

स्पोर्ट्स डेस्क। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-ए का समीकरण पूरी तरह बदल गया है। मंगलवार

को मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने भारत को 6 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में उसकी पहली हार दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158/7 रन बनाए थे। आखिरी ओवर में साउथ अफ्रीका ने टारगेट हासिल कर लिया। इस हार के बाद भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना मुश्किल हो गया है। टीम को अब अपने बाकी दोनों मुकाबले बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतने ही होंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान, नीदरलैंड, आयरलैंड और स्कॉटलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थितिः-ऑस्ट्रेलिया ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। उसके पास सबसे ज्यादा 8 अंक हैं। भारत दूसरे, साउथ अफ्रीका तीसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान और नीदरलैंड टॉप-4 की रेस से बाहर हो चुकी हैं। वहीं, ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड 6 अंक के साथ टॉप पर है। वेस्टइंडीज के पास भी 6 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट कम होने की जगह से दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड और श्रीलंका

4-4 अंक लेकर तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। स्कॉटलैंड और आयरलैंड इस ग्रुप से एलिमिनेट हो चुकी हैं। जानिए किस टीम के क्या समीकरण हैंः-भारत को दोनों मैच जीतने होंगे? साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद भारत की राह कठिन हो गई है। उसे टॉप-4 में पहुंचने के लिए आगे के दोनों मैच जीतने होंगे। टीम इंडिया अगला मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंचेगी अगरः-अगर भारतीय टीम अपने दोनों मैच जीत लेती है और उसका नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया या फिर साउथ अफ्रीका से बेहतर रहता है, तो टीम 8 अंक के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। अभी भारत का नेट रन रेट साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश से बेहतर है। 2 में से एक मैच हारने की स्थिति में भारत 6 अंक तक ही पहुंच सकेगा। ऐसे में उसे ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के एक मैच हारने की दुआ करनी होगी। साथ ही अपना नेट रन रेट दूसरी टीमों से बेहतर रखना होगा। ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के बेहद करीब-पाकिस्तान पर जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है। टीम ने अब तक खेले चारों मैच जीते हैं और 8 अंकों के साथ ग्रुप-ए में टॉप पर है। उसका नेट रन रेट भी सबसे बेहतर (प्लस 4.724) है। ऑस्ट्रेलिया को लीग स्टेज में अपना आखिरी मुकाबला 28 जून को भारत के खिलाफ खेलना है। ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेगी अगर-अगर ऑस्ट्रेलिया अपने आखिरी लीग मैच में भारत को हरा देता है, तो 10 अंक के साथ ग्रुप-ए के टॉप पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। आखिरी मैच हारने पर ऑस्ट्रेलिया के 8 अंक ही रह जाएंगे। टीम बेहतर नेट रन रेट या फिर टॉप पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच सकेगी। हालांकि, यह अन्य टीमों के नतीजों पर पर निर्भर होगा। साउथ अफ्रीका की स्थिति भारत जैसीः-साउथ अफ्रीका की स्थिति भारत जैसी है। उसे भी टॉप-4 में पहुंचने के लिए अगले दोनों मैच जीतने होंगे। हालांकि, साउथ अफ्रीका के मुकाबले अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के साथ होने हैं। ऐसे में उसके आगे निकलने के चांस ज्यादा हैं। उसे आखिरी 2 मैच नीदरलैंड (25 जून) और बांग्लादेश (28 जून) के खिलाफ खेलने हैं। फिलहाल, साउथ अफ्रीका की टीम के 3 मैचों में 2 जीत और 4 पॉइंट्स हैं। उसने पाकिस्तान और भारत को हराया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से 65 रन की बड़ी हार के कारण उसका नेट रन रेट -0.546 है। साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचेगी अगरः-वह अपने दोनों मैच जीत ले। ऐसे में अफ्रीकी टीम के पास 8 अंक हो जाएंगे। ऐसे में टीम दुआ करेगा कि ऑस्ट्रेलिया भारतीय टीम को आखिरी लीग मैच में हरा दे। भारत अपने बाकी दो मैचों में से एक हार जाए और साउथ अफ्रीका अपने मैच बड़े अंतर से जीतकर नेट रन रेट में भारत को पीछे छोड़ दे। साउथ अफ्रीका भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ 8-8 पॉइंट्स वाली स्थिति में पहुंच सकता है। हालांकि, उसका रन रेट तीनों में सबसे कमजोर है। बांग्लादेश के पास भी मौका'-बांग्लादेश को भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। टीम ने अब तक 3 मैचों में 2 जीत हासिल की हैं और उसके 4 पॉइंट्स हैं। सेमीफाइनल के लिए बांग्लादेश को दोनों बचे मैच जीतने होंगे। अगर टीम भारत और साउथ अफ्रीका दोनों को हरा देती है तो उसके 8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सेमीफाइनल जाना लगभग तय हो जाएगा। भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच सिर्फ बांग्लादेश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे ग्रुप-ए की तस्वीर तय कर सकते हैं। अगर बांग्लादेश इनमें से किसी एक टीम को भी हरा देता है तो सेमीफाइनल की दौड़ और दिलचस्प हो जाएगी।

बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचेगा अगरः-बांग्लादेश अपने दोनों मैच जीत ले। ऐसी स्थिति में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच का नतीजा मायने नहीं रखेगा। वह भारत को हराए, साउथ अफ्रीका से हार जाए और फिर साउथ अफ्रीका नीदरलैंड से हार जाए। ऐसे में बांग्लादेश, भारत और साउथ अफ्रीका तीनों 6-6 पॉइंट्स पर पहुंच सकते हैं। तब नेट रन रेट से फैसला होगा। ग्रुप-बी में इंग्लैंड सबसे मजबूत दावेदारः-इंग्लैंड ने अब तक अपने तीनों मुकाबले जीते हैं। टीम के 3 मैचों में 6 पॉइंट्स हैं। हालांकि ग्रुप-बी में इंग्लैंड की राह अभी पूरी तरह आसान नहीं है। उसे अपने आखिरी दो मुकाबले वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने हैं। अगर इंग्लैंड वेस्टइंडीज को हरा देता है तो उसके 8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सेमीफाइनल का टिकट पक्का हो जाएगा। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मैच ग्रुप की टॉप-2 रैंकिंग तय कर सकता है। इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचेगा अगरः-वह अपने बाकी दो मैचों में से एक भी जीत ले। या श्रीलंका और न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच जीत जाएं। तब इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड 6-6 पॉइंट्स पर होंगे और रन रेट से फैसला होगा। वेस्टइंडीज को सिर्फ एक जीत की जरूरतः- वेस्टइंडीज भी तीनों मुकाबले जीत चुका है। टीम के 3 मैचों में 6 पॉइंट्स हैं। अब वेस्टइंडीज के सामने दो बड़े मुकाबले हैं। टीम 24 जून को इंग्लैंड और 27 जून को आयरलैंड से भिड़ेगी। इनमें से आयरलैंड के खिलाफ मैच आसान माना जा रहा है, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला ग्रुप-बी की तस्वीर बदल सकता है। अगर वेस्टइंडीज इंग्लैंड को हरा देती है तो उसके 8 पॉइंट्स हो जाएंगे और सेमीफाइनल तय हो जाएगा। वहीं आयरलैंड पर जीत के साथ टीम 10 पॉइंट्स तक पहुंच सकती है। दूसरी ओर इंग्लैंड से हारने की स्थिति में भी वेस्टइंडीज के पास आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर 8 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका रहेगा। वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में पहुंचेगा अगरः-वह अपने बाकी दो मैचों में से एक जीत ले। दोनों मैच हारने पर उसकी किस्मत नेट रन रेट पर निर्भर हो सकती है। सबसे खराब स्थिति में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और न्यूजीलैंड 6-6 पॉइंट्स पर पहुंच सकते हैं और तब रन रेट से फैसला होगा। न्यूजीलैंड-श्रीलंका की उम्मीदें जिंदा, लेकिन दूसरों पर निर्भरः-न्यूजीलैंड और श्रीलंका की सेमीफाइनल की उम्मीदें अभी कायम हैं, लेकिन अब दोनों टीमों को अपने प्रदर्शन के साथ-साथ दूसरे मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को हराकर 4 मैचों में 4 पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं और उसका आखिरी मुकाबला 27 जून को इंग्लैंड से है। वहीं, श्रीलंका ने आयरलैंड को 9 विकेट से हराकर 4 मैचों में 4 पॉइंट्स कर लिए हैं। टीम का आखिरी मैच 26 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ है। दोनों टीमें अधिकतम 6 पॉइंट्स तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे अहम मुकाबला 24 जून को होने वाला इंग्लैंड और वेस्टइंडीज का मैच होगा। अगर इस मैच में हारने वाली टीम अपना अगला मुकाबला भी हार जाती है, तो न्यूजीलैंड और श्रीलंका के लिए सेमीफाइनल की राह खुली रहेगी। तब दूसरे सेमीफाइनलिस्ट का फैसला 6-6 पॉइंट्स पर नेट रन रेट से हो सकता है।

रोनाल्डो लगातार 6 वर्ल्डकप में गोल करने वाले पहले फुटबॉलर, टूर्नामेंट में पुर्तगाल के लिए सबसे ज्यादा गोल दागने का भी रिकॉर्ड बनाया

ह्यूस्टन। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 6

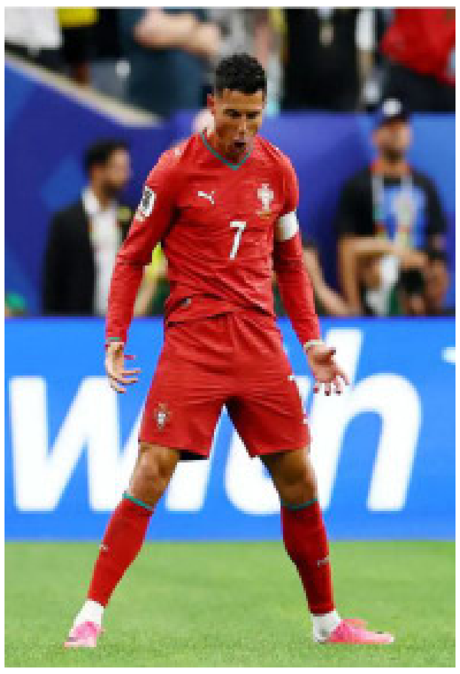

फुटबॉल वर्ल्डकप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन

गए हैं। 41 साल के रोनाल्डो ने ह्यूस्टन स्टेडियम में उज्बेकिस्तान के खिलाफ छठे मिनट में गोल दागकर यह रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद उन्होंने 39वें मिनट में दूसरा गोल भी किया। इन्हीं गोल की मदद से पुर्तगाल ने 5-0 की जीत हासिल की। रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले प्लेयर भी बने। उनके नाम 10 गोल हैं। उन्होंने पुर्तगाल के स्ट्राइकर यूसेबियो के 9 गोल को पीछे छोड़ा। रोनाल्डो ने 2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और अब 2026 वर्ल्डकप में गोल किया है। उनके बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी हैं। उन्होंने 2010 को छोड़कर 2006, 2014, 2018, 2022 और 2026 वर्ल्ड कप में गोल किए हैं।पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस (17वें मिनट) और राफेल लेओ (87वें मिनट) ने गोल किया। 59वें मिनट में उज्बेकिस्तान के गोलकीपर अब्दुवोहिद नेमातोव से बॉल टकराकर गोल में चली गई। इसे ओन गोल माना गया। मौजूदा टूर्नामेंट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 2 गोल हो चुके हैं। वे पहले मैच में डीआर कांगो के खिलाफ गोल नहीं कर सके थे। छठे मिनट में रचा इतिहासः-मैच की शुरुआत से ही पुर्तगाल अटैकिंग दिखा। चौथे मिनट में नूनो मेंडेस के क्रॉस पर रोनाल्डो मौका चूक गए, लेकिन दो मिनट बाद उन्होंने गलती नहीं दोहराई। जोआओ कैंसिलो के लो क्रॉस पर रोनाल्डो ने शानदार राइट-फुटेड शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचाया। इसी गोल के साथ वह 6 वर्ल्डकप में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। नूनो मेंडेस ने बढ़त दोगुनी कीः-14वें मिनट में उज्बेकिस्तान के खामरोबेकोव ने पेड्रो नेटो को फाउल किया। यहां पुर्तगाल को फ्री-किक मिली। सभी को लगा कि रोनाल्डो शॉट लेंगे, लेकिन उन्होंने गेंद छोड़ दी और नूनो मेंडेस ने 17वें मिनट में शानदार लो शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। रीव्यू से छीना उज्बेकिस्तान का गोलः-29वें मिनट में उज्बेकिस्तान के अजीज गानिएव ने दूर से शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के टॉप कॉर्नर में पहुंचा दिया था। हालांकि, रीव्यू में पुर्तगाल के जोआओ कैंसिलो पर फाउल पाया गया और गोल नहीं दिया गया। रोनाल्डो का दूसरा गोल, यूसेबियो का रिकॉर्ड टूटा-38वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस ने मिडफील्ड से बेहतरीन थ्रू बॉल दी। रोनाल्डो डिफेंस से निकलते हुए आगे बढ़े और गेंद को पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। इस गोल के साथ उन्होंने वर्ल्डकप में अपना 10वां गोल किया और यूसेबियो का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले हाफ तक पुर्तगाल 3-0 से आगे था। दूसरे हाफ में भी पुर्तगाल का दबदबाः-ब्रेक के बाद भी पुर्तगाल ने हमले जारी रखे। 57वें मिनट में रोनाल्डो फ्री-किक पर गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन नेमातोव ने शानदार बचाव किया। 59वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के कॉर्नर पर जोआओ फेलिक्स ने बैक-हील फ्लिक किया, जो डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव से टकराकर गोलकीपर नेमातोव के दस्तानों से होते हुए नेट में चली गई। इसे ओन गोल माना गया और स्कोर 4-0 हो गया। हैट्रिक से चूके रोनाल्डोः-73वें मिनट में रोनाल्डो के पास हैट्रिक पूरी करने के दो मौके आए। पहले उनका शॉट डिफ्लेक्ट होकर बाहर चला गया, फिर उन्होंने गोलकीपर पर दबाव बनाकर गेंद छीनी, लेकिन नेमातोव ने शानदार सेव कर दिया। इससे पहले पहले हाफ के इंजरी टाइम में भी खुसानोव ने उनकी कोशिश गोललाइन से क्लियर कर दी थी। राफेल लियाओ ने लगाई जीत पर मुहरः-83वें मिनट में मैदान पर आए राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में पुर्तगाल का पांचवां गोल दाग दिया। नेल्सन सेमेडो के कट-बैक

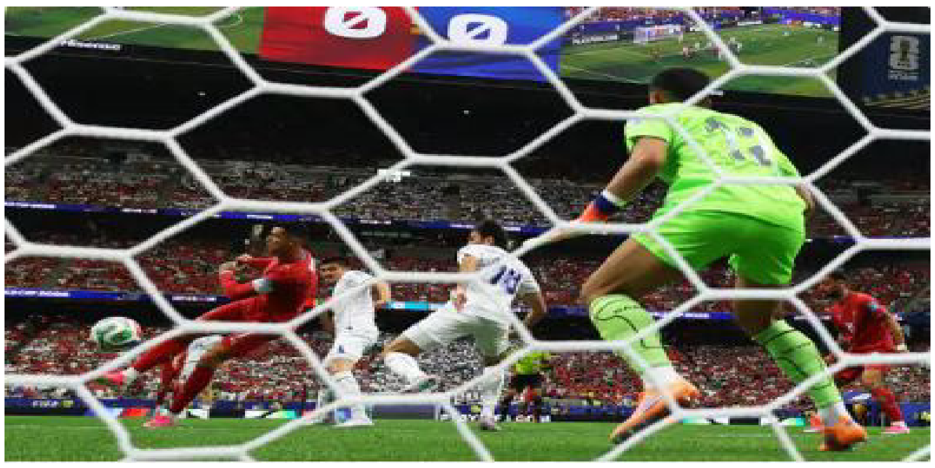

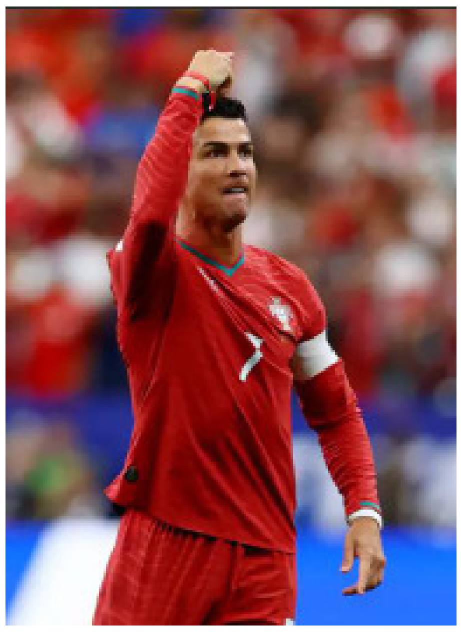

पर रोनाल्डो गेंद तक नहीं पहुंच सके, लेकिन पीछे खड़े लियाओ ने दमदार शॉट लगाकर गेंद को टॉप कॉर्नर में भेज दिया। इसके साथ ही पुर्तगाल ने मुकाबला 5-0 से अपने नाम कर लिया।

मेसी के साथ खेल रहे छठा वर्ल्ड कपः-रोनाल्डो और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी इस साल छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। दोनों ही 6 वर्ल्डकप खेलने वाले पहले खिलाड़ी हैं। मेसी ने 2006, 2014, 2018, 2022 और 2026 में गोल किए हैं, जबकि रोनाल्डो ने अपने हर वर्ल्डकप में गोल दागा है। 20 साल से ज्यादा लंबा सफरः-रोनाल्डो ने अपना पहला वर्ल्डकप गोल 2006 में 21 साल की उम्र में किया था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा 143 गोल हैं। वहीं यह मैच उनके करियर का 230वां इंटरनेशनल मुकाबला भी रहा। पुर्तगाल की पहली जीतः-पुर्तगाल ने अपने पहले मैच में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था। ऐसे में टीम के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था। पुर्तगाल ने 5-0 की बड़ी जीत के साथ मौजूदा टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की।

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर्स की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटर्स स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटर्स से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटर्स को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेर्नोबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटर्स की वजह में ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है।

5. गर्मी के उत्सर्जन और रैडिएशन की वजह से अमेरिका में डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से ग्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटर्स की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख्वाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटर्स की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटर्स में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

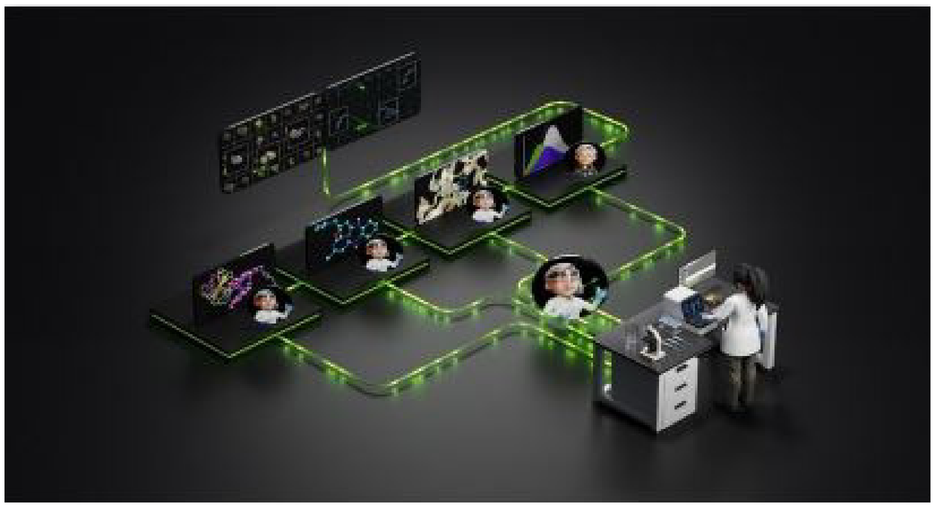

किसी दिन 'कोडी' कई बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होगा

अगर आपकी उम्र 60 से ज्यादा है और आपकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं है, लेकिन आप किसी ओल्ड-एज होम में भी नहीं जाना चाहते हैं, और उसके बजाय अपने ही घर में रहना चाहते हैं तो ऐसा सोचने वाले आप अकेले नहीं हैं। अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में हुआ अध्ययन कहता है कि 95इ से अधिक बुजुर्ग मनोवैज्ञानिक फायदों के चलते हमेशा उसी घर में उम्र बिताना पसंद करते हैं, जहां दशकों से रहते आए हैं। दक्षिण कोरिया सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले देशों में एक है और पिछले साल वह 'सुपर-एज्ड सोसाइटी' बन गया। लेकिन उन लोगों का क्या होगा, जिनके बच्चे दूसरे शहरों में या विदेश चले गए हैं या शादी के बाद आपके घर से चले गए? उनकी जगह 'कोडी' लेगा। सोच रहे हैं कि 'कोडी' कौन है? तो आगे पढ़िए। हम इंसान जहां चंद महीने में बच्चों को जन्म दे सकते हैं, जो बड़े होकर हमारी देखभाल करते हैं, वहीं 'कोडी' के पैरेंट्स को उसे दुनिया के सामने लाने में लगभग तीन साल लग गए। इंसानी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए 'कोडी' का विचार क्रिस कुडिया और बेन गोर्टजेल के दिमाग में आया था। 'कोडी' का मुस्कराता हुआ चेहरा है, हालांकि उसकी चमकीली भूरी आंखें आपको असहज कर सकती हैं। उसका तीन फीट का फ्रेम, शरारती मुस्कान के साथ चेहरे के दोस्ताना भाव उसे सहज बनाते हैं। हां, वह अमेरिका के सिएटल की कंपनी 'माइंड चिल्ड्रन' का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। 11 जून को उसने अमेरिकी अखबार को इंटरव्यू दिया। उससे पूछा गया कि उसके सामने क्या है। बच्चों जैसी आवाज में उसने तुरंत कहा कि 'स्क्रीनों वाला एक वर्कप्लेस, जहां कुछ नोट्स और रोजमर्रा की चीजें हैं। यह किसी क्लासिक लैब जैसा सेटअप दिखता है, जो विचारों को जीवन में उतारने की अच्छी जगह जैसा लगता है।' हालांकि आज वह चाय का कप भी नहीं उठा सकता, लेकिन वह आश्वस्त है कि अगले 10 साल में वह सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ कर पाएगा। वह कहता है, 'शायद तब तक मैं एलेवेटर के दरवाजे भी खोल सकूंगा।' उसके को-फाउंडर्स को भी भरोसा है कि यह रोबोट स्कूलों, अस्पतालों, होटलों और घरों का हिस्सा बनेगा। लोगों को सीखने, जुड़ने और कम अकेलापन महसूस करने में मदद करेगा। लेकिन को-फाउंडर्स का मानना है कि उससे पहले 'कोडी' को कई बाधाएं पार करनी होंगी। 'माइंड चिल्ड्रन' कंपनी ने इसके विकास के अगले चरण के लिए क्राउडफंडिंग शुरू कर दी है। उसे उम्मीद है कि एक बार लॉन्च होने पर वह इसे इतना सस्ता बना देगी कि अकेले रहने वाले वयस्क इसे खरीद सकें। जब भी ऐसी नई तकनीक बाजार में आती है तो शुरू में वह बेहद अमीर लोगों का खिलौना बन जाती है। आज कुछ होम-रोबोट 20 हजार डॉलर में बिक रहे हैं, लेकिन को-फाउंडर्स चाहते हैं कि 'कोडी' की कीमत 10 हजार डॉलर ही हो। दोनों को भरोसा है कि वे 'कोडी' के ऐसे इस्तेमाल के बेहद करीब है, जहां वह बुजुर्गों की देखभाल कर सके और उनके अकेलेपन से लड़ सके। होटलों और आर्ट गैलरियों में इसकी पायलट स्टडी चल रही है, ताकि इसके विकास के लिए जरूरी डेटा जुटाए जा सकें। फिर 2027 में 'कोडी' का दूसरा संस्करण तैयार किया जाएगा। ऐसे विश्व में, जहां ह्यूमनॉइड मशीनें दुनिया की समझ से भी तेज गति से बढ़ रही हैं, यह हैरानी की बात नहीं होगी कि आने वाले वर्षों में बच्चों से दूर रहने वाले पैरेंट्स या निःसंतान लोगों को 'कोडी' जैसे रोबोट उपहार में दिए जाने लगें। 'कोडी' पहले से ही आंखों से आंखों का संपर्क करने और भावनात्मक स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने में बेहतर है। वह आसपास का माहौल भी समझता है। चंद और कदमों के बाद वह जीवनभर आपकी देखभाल करने वाला 'सौतेला बेटा' बन सकता है। ऐसा कितनी जल्दी होगा, उसके को-फाउंडर्स बता सकते हैं। महज 10 साल पहले ही क्या हमने कभी सोचा था कि 25 हजार रुपए की 'रूम्बा' मशीन हमारे घरों में झाड़ू-पोंछा करने वाली मेड की जगह ले लेगी? आज रूम्बा आधुनिक शहरी घरों, यहां तक कि मध्यमवर्गीय परिवारों में भी मौजूद है। मेड अब कुक बन कर ज्यादा कमाई कर रही हैं और मशीनें दिन के किसी भी समय बिना शिकायत अपना काम कर रही हैं। फंडा यह है कि आधुनिक मशीनें इंसानों द्वारा निर्मित खालीपन को भरने में पर्याप्त समझदार हो रही हैं। लेकिन क्या वे हमारी भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा कर पाएंगी? जवाब सिर्फ समय ही देगा। एन. रघुरामन

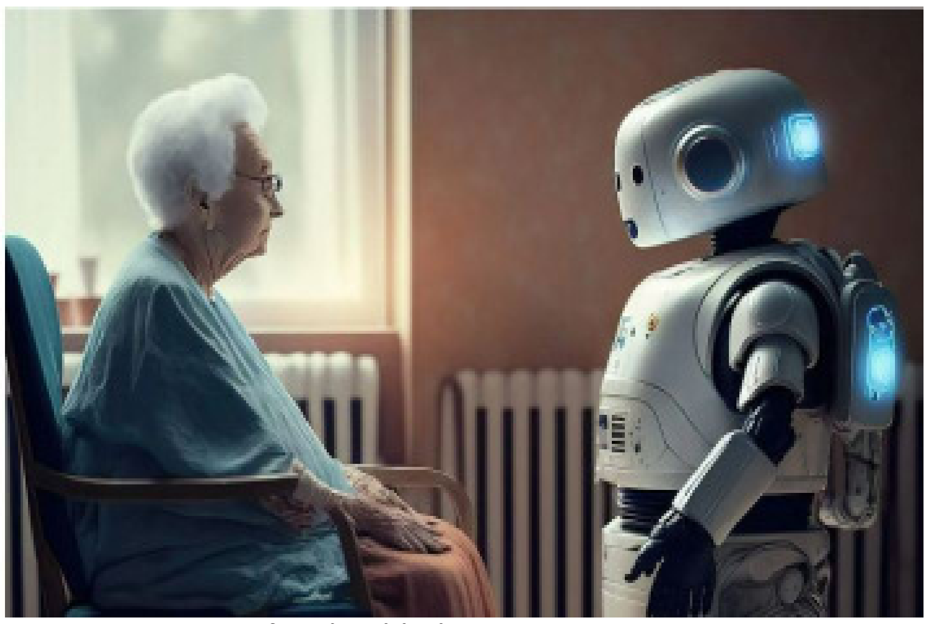

हमारे प्रजातंत्र का अंतिम व्यक्ति 2 मिनट के विलम्ब से क्यों हारा?

रोजाना सिर्फ तीन सौ रुपये कमाने वाले पिता ने जब बेटी की आंखों में डॉक्टर बनने का ख्वाब देखा तो कर्ज लेने से नहीं चूके, लेकिन बेटी को नीट के परीक्षा केंद्र पर समय पर पहुंचाने से जरूर चूक गए। कुछेक रुपये कमाने वाले पिता ने सत्तर किलोमीटर की यात्रा बेटी के साथ तय तो कर ली पर वे दो मिनट लेट हो चुके थे। और इस तरह उस बेटी और पिता की सारी मिन्नतें, क्रंदन, रुदन अप्रासंगिक हो गए, क्योंकि परीक्षाएं नियम से चलती हैं। परीक्षा केंद्र के दरवाजे पर मौजूद संतरी को आदेश था कि नियत समय के एक मिनट बाद भी कोई परीक्षार्थी आता है तो वह लेट माना जाएगा और उसे प्रवेश नहीं मिलेगा। हताश पिता जमीन पर गिर चुके थे और बेटी उनसे लिपटकर रो रही थी। लेकिन संस्थाओं की दीवारें निस्तेज बस इस घड़ी की ओर इशारा कर रही थीं, यह कहते हुए कि आप लेट हैं, भले ही दो मिनट। पर एक मिनट का लेट भी लेट होता है। नहीं पता तो कभी जापान से पूछिए कि समय का महत्व क्या होता है। जापान में समय का अनुपालन उनकी संस्कृति का अहम हिस्सा है। वहां इसे जिकन-गेंशु यानी समय का सख्ती से पालन के नाम से जाना जाता है। समय पर रहना कोई नीरस जीवनशैली नहीं है, बल्कि यह सम्मान है उस हर व्यक्ति के लिए, जो आपका इंतजार कर रहा होता है। साथ ही यह दूसरों के लिए सोच और भरोसे से गहराई से जुड़ा है। जापान में समय पर होने का मतलब किसी के भी शेड्यूल का सम्मान करना है और यह उनकी हर संस्था और नागरिक-व्यवहार में देखा जा सकता है। रेलवे ऑपरेटर और सरकारी अधिकारी भी मामूली देरी के लिए भी औपचारिक रूप से सार्वजनिक माफी मांगते हैं। वहां के पब्लिक ट्रांसपोर्ट समय की पाबंदी के लिए जाने जाते हैं और अगर किसी कारणवश बस या ट्रेन कुछ मिनट लेट हो जाती है, तो स्टाफ एक आधिकारिक देरी का सर्टिफिकेट जारी करता है, ताकि यात्री इसे दफ्तर या स्कूल में दिखा सकें। लेकिन उस पिता के पास तो कोई सर्टिफिकेट नहीं था। सिर्फ एक मानवीय सत्य था कि बारिश के बावजूद वे समय पर पहुंचना चाह रहे थे, पर पहुंच नहीं सके। नियम के अनुसार तो वो लेट थे लेकिन परीक्षा केंद्र भी उनके प्रति संवेदना दिखाने में देरी कर गया। क्योंकि समय का अनुपालन एक विनम्र समाज बनाता है और उस संवेदना को सम्प्रेषित करने से नहीं चूकता। प्रजातंत्र का अंतिम व्यक्ति दो मिनट लेट से हार चुका था। इस घटना ने मुख्य रूप से दो प्रश्न खड़े किए? एक यह कि क्यों नहीं हमारे देश में समय का अनुपालन एक सामाजिक व्यवहार बन सकता है? और दूसरा, क्या किसी परिस्थिति में लेट का नियम लचीला हो सकता है? परीक्षा केंद्रों पर किसी खास परिस्थिति में एक-दो मिनट का लचीलापन क्या संभव नहीं? क्योंकि कोई परीक्षार्थी एक-दो मिनट के लेट को प्लान करके तो नहीं आना चाहेगा। और उससे भी बड़ी बात यह कि हम समय को लेकर क्या आदर का भाव रखते हैं? उसके प्रति कितनी प्रतिबद्धता रखना चाहते हैं? क्या देश में समय के प्रति ऐसी निष्ठा है? क्या समय की पाबंदी हमारी जीवनशैली का हिस्सा है? क्या मीटिंग्स समय पर शुरू होकर समय पर खत्म होती हैं? क्या किसी को इंतजार कराना हमें अपराधबोध से ग्रस्त करता है? या किसी के लिए समय पाबंद होता है और किसी के लिए लचीला? उस पिता और बेटी को यह यकीन था कि मनुष्य और मनुष्य की करुणा अभी बची हुई है। उनकी मिन्नतें सुन किसी का दिल जरूर पसीजेगा। लेकिन ऐसा ना हुआ और बेटी का एक साल बर्बाद हो गया। उसके एक साल पर वह दो मिनट का विलम्ब भारी पड़ गया। (ये लेखक के अपने विचार हैं.नंदितेश निलय)

अंग्रेजों के जमाने के कानूनों का आज के दौर में क्या काम

संसद ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ऐसा कानून पारित किया है, जो पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को खत्म करने तथा न्याय प्रक्रिया को तेज करने में गेम-चेंजर साबित हो सकता है। जन विश्वास अधिनियम, 2026 अप्रैल में लागू हुआ था। इसके जरिए ऐसे कानूनों को निरस्त किया गया, जिन्होंने न्याय-व्यवस्था को बाधित कर रखा था। इसके तहत एक हजार से अधिक कानून हटाए जा चुके हैं। न्यायपालिका पर इसके दूरगामी प्रभाव होंगे।

विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी के अचरज कौर टुटेजा, ईशान बंबा और नवेद महमूद अहमद उस टीम का हिस्सा थे, जिसने इस प्रक्रिया को बेहतर करने में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की मदद की। उन्होंने अपने एक लेख में लिखा कि 2026 के इस अधिनियम की प्रमुख खूबी इसका विशाल दायरा है। संसद ने एक ही विधायी प्रक्रिया में 23 मंत्रालयों से जुड़े 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन किया, 784 प्रावधानों में सुधार किया और 1018 अपराधों पर इसका असर पड़ा है। इन खूबियों से यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी डी-क्रिमिनलाइजेशन कवायद बन गया है।

जो कानून निरस्त किए गए, उनमें से कई आजादी के बाद बनाए गए थे। इनमें से कई में तो सामान्य गतिविधियों को भी अपराध माना जाता था। 'विधि' की लीगल टीम ने एक उदाहरण दिया। कल्पना कीजिए कि एक स्ट्रीट वेंडर रेलवे स्टेशन के बाहर चाय की छोटी-सी दुकान चलाता है। शाम तक वह गुजारे लायक कमा लेता है। लेकिन वह एक साल तक जेल जाने के जोखिम में रहता है, क्योंकि रेलवे क्षेत्र में बिना लाइसेंस फेरी लगाने पर पहले एक साल की कैद हो सकती थी।

रोजमर्रा की कई दूसरी गतिविधियों में भी अपराधी ठहराए जाने का खतरा मंडराता रहता था। मसलन, किसी दूसरे यात्री को आवंटित सीट छोड़ने से इनकार करना, छावनी क्षेत्रों में भीख मांगना या छह वर्ष या उससे अधिक उम्र के बच्चे को सार्वजनिक स्थान पर शौच करने देना।

कुछ अपराध तकनीकी प्रकृति के थे- जैसे रिटर्न दाखिल न करना, लाइसेंस न दिखाना या लिखित अनुमति के बिना विज्ञापन करना। ये कार्य न तो गंभीर रूप से हानिकारक हैं और न ही आपराधिक मंशा से किए जाते हैं। यदि इनसे कोई नुकसान होता भी है तो उसे आसानी से सुधारा जा सकता है।

अंग्रेजों के जमाने के भी कई कानून हटाए गए हैं। इनमें ऐसे छोटे-मोटे अपराध शामिल थे, जिन्हें ब्रिटिश अधिकारियों ने गैरकानूनी घोषित कर दिया था। मसलन, आजादी से पहले किसी कुएं के पास नहाना अपराध माना जाता था और अप्रैल 2026 में निरस्त किए जाने तक यह कानून प्रभावी रहा!

औपनिवेशिक काल और आजाद भारत तक देश में सदियों से ऐसा कानूनी ढांचा बनाया गया, जो आमजन को दंडित करता और राज्यसत्ता को असीमित ताकत देता रहा है। आमजन आज भी 'तारीख पर तारीख' वाली स्थिति का सामना करते हैं। लेकिन जन विश्वास अधिनियम जैसी सुधारवादी पहल सकारात्मक प्रभाव लाती है। लोकसभा में यह कानून पारित होने के तुरंत बाद महाराष्ट्र ने राज्य में 80 अप्रचलित कानूनों को निरस्त कर दिया। इनमें से कुछ तो बाबा आदम के जमाने के थे। उदाहरण के लिए, 1864 और 1909 के व्हिपिंग एक्ट चोरी और दुष्कर्म के लिए अधिकतम 150 कोड़ों की सजा देते थे!

हालांकि कानूनी किताबों की ये सफाई पहले ही हो जानी चाहिए थी, लेकिन कानून और न्यायिक व्यवस्था की अनेक मूल समस्याएं अब भी जस की तस हैं। न्यायिक व्यवस्था में गहरे सुधारों की दरकार है।

जन विश्वास अधिनियम, 2026 के तहत अप्रचलित कानूनों को हटाने के अलावा आपराधिक न्याय प्रणाली को भी एक नए प्रशासनिक ढांचे की जरूरत है। वरिष्ठ वकीलों को बार-बार एडजर्नमेंट मांगने से रोका जाना चाहिए। नेशनल जुडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन (एनजेएसी) को फिर से लागू करना भी आवश्यक है। आजादी से पहले किसी कुएं के पास नहाना अपराध माना जाता था और अप्रैल 2026 में निरस्त किए जाने तक यह कानून प्रभावी रहा! औपनिवेशिक काल में ऐसा कानूनी ढांचा बनाया गया था, जो आमजन को दंडित करता हो। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मिन्हाज मर्चेंट)

बूंद-बूंद सिंधु के पानी को तरसा पाकिस्तान,आर्मी चीफ भारत के खिलाफ जंग की साजिश रचने में जुटे

इस्लामाबाद। भारत ने सिंधु नदी का पानी रोक कर पाकिस्तान को तरसा दिया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में छेड़े 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सिंधु का पानी रोकने से पाक की कमर टूट गई है। पानी के लिए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी मुंह की खाने के बाद पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ जंग छेड़ने की भभकियां दे रहे हैं। वहीं, जंग का मंसूबा पाले आर्मी चीफ आसिम मुनीर साजिश रचने में जुटे हैं। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर पाक सेना की 8 ब्रिगेड ने 35 एंटी ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। पाक ने एआई फेंसिंग भी की है। इसके तहत टारगेटिंग और सर्विलांस को तेज किया गया है। पाकिस्तान ने हाल में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर ड्रोन ग्रिड भी तैयार किया है। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से जुड़ी अपनी सीमाओं से 5 बटालियन को इस महीने की शुरुआत में ही मूव कराकर एलओसी के रावलाकोट, कोटली और भीम्बर सेक्टर में तैनात किया है। इन्हीं जगहों से पाक भारत में आतंकियों की घुसपैठ भी करता रहा है।चीन 5वीं जेनरेशन का फाइटर जेट देगा-ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने पाक को 36 मल्टी रोल जे-सीरीज फाइटर जेट की सप्लाई की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी एफ-35 जेट का चीनी वर्जन जे-35 भी साल के अंत तक पाकिस्तान को मिलने वाला है। इस जेट की टेस्ट फ्लाइट्स हो चुकी हैं। पाक को ड्रोन सप्लाई करने के बाद अब तुर्किये कराची के पास साझा कॉम्बैट ड्रोन असेंबली प्लांट भी लगाया है। यहां हर साल

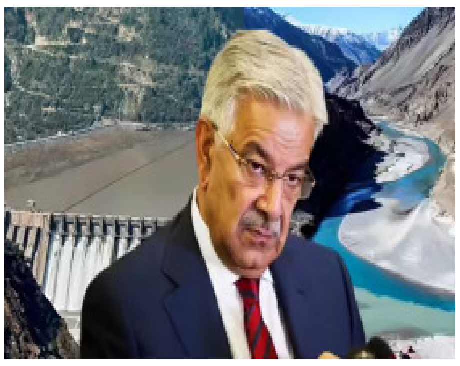

700 ड्रोन बनेंगे। पाकिस्तान ने इन ड्रोन को बांग्लादेश को एक्सपोर्ट करने का एमओयू भी किया है। तुर्किये पाक के लिए मिलजैम क्लास पनडुब्बी भी बना रहा है। पाकिस्तान को पनडुब्बी की साल के अंत तक डिलीवरी भी मिल जाएगी। दो दिन पहले पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं-पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल एआरवाय न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।भारत-पाकिस्तान के बीच का सिंधु जल समझौता क्या है? सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47फीसदी जमीन पाकिस्तान, 39फीसदी जमीन भारत, 8फीसदी जमीन चीन और 6फीसदी जमीन अफगानिस्तान में है।

इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला।

1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के PM नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

राम में ताकत होती तो चोर भस्म हो जाते, आंख मूंदकर किसी बात का भरोसा मत करो-स्वामी प्रसाद मौर्य

गाजीपुर। गाजीपुर में मंगलवार को यूपी के पूर्व कैबिनेट

मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा- अगर भगवान राम में ताकत होती, तो जिस समय लुटेरे ने चोरी की, तभी वो भस्म हो जाता। लेकिन, उस चोर का बाल भी बांका नहीं हुआ। इतना ही नहीं, पृथ्वी पर पैदा होने वाला छोटा-सा बंदर सूर्य भगवान को निगल गया। यही अज्ञानता खत्म करने के लिए हम पढ़ाई करते हैं? भगवान बुद्ध कहते हैं कि कोई भी बात किसी ग्रंथ में लिखी है, इसीलिए नहीं मानो। पहले उसे अपने दिमाग की कसौटी पर कसो। अगर खरा उतरे, तभी मानो। उनके इस बयान का वीडियो बुधवार को सामने आया। स्वामी ने कहा-हनुमानजी पृथ्वी पर पैदा हुए। भगवान राम भी अयोध्या में पैदा हुए। जमीन पर रहने वाले राजा का कोई सेवक है, तो वह भी जमीन पर ही रहेगा। पृथ्वी से 13 लाख गुना बड़ा सूर्य है। इस पृथ्वी पर पैदा होने वाला छोटा-सा बंदर सूर्य भगवान को निगल गया। यही अज्ञानता है। लेकिन, कोई कहता है कि हनुमानजी सूर्य को निगल गए, तो हमारे लोग कहते हैं कि हां, निगल गए। पृथ्वी पर सूर्य की किरणें आती हैं, तो लोग पसीने से लथपथ हो जाते हैं। सूर्य और पृथ्वी के बीच दूरी 80 लाख करोड़ किमी है। और कहते हैं कि बंदर सूर्य को निगल गया। इसीलिए भगवान बुद्ध कहते हैं कि कोई भी बात मानने से पहले अपने दिमाग की कसौटी पर कसो। अगर खरा उतरे, तभी मानो। यूपी सरकार 47 हजार से ज्यादा स्कूल बंद करने जा रही थी। हमने आंदोलन किया, तब सरकार बैकफुट पर आ गई। फैसला वापस लिया। स्कूल आज चल रहे हैं, लेकिन रामभरोसे चल रहे हैं। क्योंकि, टीचर नहीं हैं। यूपी में 13 लाख टीचर की जरूरत हैं। ऐसे कैसे चलेगा स्कूल? ऐसा क्यों किया जा रहा है? स्कूल के टीचरों से अन्य विभागों का काम लिया जाता है। जनगणना कार्रवाई जा रही है। चुनाव में ड्?यूटी लगाई जाती है। यानी टीचरों से अन्य विभागों से इतने काम लिए जाते हैं। वो पढ़ाने की हालत में रहता ही नहीं। न पढ़ाए, तो इसके लिए उसे सजा नहीं है। लेकिन, अन्य विभागों के काम में लेट कर दे, तो उसके खिलाफ एक्शन हो जाए। यानी सरकार नहीं चाहती है कि गरीब का बच्चा पढ़ नहीं पाए। उच्च शिक्षा का इतनी मंहगी कर दी है। अब 40 बीघे का मालिक भी अपने बच्चे को विश्वविद्यालय में नहीं पढ़ा पाएगा। 80 करोड़ की जिंदगी 5-10 किलो चावल पर चल रही:-भारत आज बदहाल है। 140 में से 80 करोड़ लोगों की जिंदगी 5-10 किलो चावल पर चलती है। क्या ये 80 करोड़ अपने बेटे-बेटी को विश्वविद्यालय में पढ़ाने का सपना कभी देख पाएगा? स्वाभिक रूप में सत्ता में बैठे में लोग इस देश के गरीबों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश कर रहे हैं। कौन हैं स्वामी प्रसाद मौर्य:-स्वामी प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष हैं। 5 बार विधायक रहे चुके हैं। 4 बार यूपी में मंत्री रहे हैं। वह योगी सरकार 1.0 में मंत्री थे। 2022 विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मंत्री पद से इस्तीफा देकर सपा में गए थे। सपा ने विधानसभा चुनाव में उन्हें कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से प्रत्याशी बनाया, लेकिन चुनाव हार गए। 2 साल पहले उन्होंने सपा छोड़ दी थी। इससे पहले बसपा भी अहम पदों पर रह चुके हैं। राजनीति के शुरुआती दिनों में लोकदल और जनता दल में भी स्वामी प्रसाद मौर्य रहे हैं।

ईरान ने पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति को इज्जत दी-ट्रम्प, ईरान बोला-इस्लामाबाद समझौता अमेरिका की हार, हमने अपनी शर्तों पर डील का

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि कई दशकों में पहली बार ईरान अमेरिका और उसके राष्ट्रपति को इतनी इज्जत दे रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय कमजोर स्थिति में है और समझौते के लिए लगभग हर शर्त मानने को तैयार है। दूसरी ओर, ईरान के संसद अध्यक्ष बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुआ 'इस्लामाबाद समझौता' आखिरकार अमेरिका की हार बन चुका है।अजरबैजान में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि यह समझौता किसी दबाव या मजबूरी का नतीजा नहीं था, बल्कि हमने इसे अपनी शर्तों पर माना है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरानी राष्ट्रपति पाकिस्तान पहुंचेः ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान एक दिन की यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे। इस दौरान अमेरिका और ईरान के बीच हुई पीस डील पर चर्चा हुई। 2. भारत से जुड़े 11 जहाजों ने होर्मुज पार कियाः अमेरिका-ईरान के बीच 17 जून को हुए समझौते के बाद अब तक 11 जहाज होर्मुज पार कर भारत की ओर रवाना हो चुके हैं। 3. होर्मुज से 1.9 करोड़ बैरल तेल गुजराः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि सोमवार को होर्मुज से 1.9 करोड़ बैरल तेल की आवाजाही हुई, जो

अब तक का रिकॉर्ड है। 4. इजराइल अपने हथियार खुद बनाएगाः इजराइली पीएम ने कहा कि इजराइल को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर सैन्य निर्भरता कम करनी होगी और खुद हथियार बनाना सीखना होगा। 5. ट्रम्प ने ईरान को फिर से धमकी दीः ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान समझौते का पालन नहीं करता या सही तरीके से व्यवहार नहीं करता, तो वह फिर से कार्रवाई करने को तैयार हैं। ईरान बोला- परमाणु जांच अंतिम समझौते के बाद ही होगी- ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईएईए को ईरान के परमाणु ठिकानों और परमाणु मटेरियल तक पहुंच तभी मिलेगी, जब अमेरिका के साथ अंतिम समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का मुद्दा इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका सभी प्रतिबंधों को हटाते हैं या नहीं। स्विट्जरलैंड में हुई बातचीत के दौरान किसी भी ईरानी अधिकारी ने आईएईए डायरेक्टर-जनरल राफेल ग्रोसी से मुलाकात नहीं की, जबकि ग्रोसी ने बैठक की इच्छा जताई थी। ईरानी सांसद बोले- सुप्रीम लीडर ने एमओयू का मसौदा 25 बार देखा:- ईरान के सांसद अब्दोलहोसैन रूहोलअमीनी ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे को ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कम से कम 25 बार देखा। उनके मुताबिक समझौते के हर पहलू की बारीकी से जांच की गई, जिसके बाद अंतिम मसौदे पर सहमति बनी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई से शुरू होगा। अंतिम संस्कार समिति के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी तैयारियां कई बार पूरी कर ली गई थीं, लेकिन युद्ध की वजह से समारोह को बार-बार स्थगित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को इराक के पवित्र शहरों नजफ और करबला में भी अलग श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जाएंगे। ईरान और पूरे शिया मुस्लिम समुदाय में खामेनेई का बड़ा धार्मिक और राजनीतिक प्रभाव माना जाता है। यही वजह है कि उनके अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ हुआ इस्लामाबाद एमओयू आखिरकार अमेरिका की हार का ऐलान बन गया। अजरबैजान में इस्लामिक देशों की संसदों की बैठक में शामिल गालीबाफ ने कहा कि इस समझौते ने साबित किया है कि बातचीत तभी सफल हो सकती है, जब दूसरा पक्ष अपनी शर्तें थोपने की कोशिश बंद करे और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करे। गालिबाफ ने कहा कि यह एमओयू किसी दबाव या मजबूरी का नतीजा नहीं था, बल्कि ईरान के प्रतिरोध और ताकत का परिणाम था।

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 5 की मौत,13 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 1.30 बजे

निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 से 55 लोगों के दबे होने की आशंका है। मलबे में दबे 13 लोगों का रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा चुका है। इनमें से 9 घायलों को इलाज के लिए एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उनके जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं।मलबे में फंसे मजदूर बोला- मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लोः-हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था- 'मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो। सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किएः- घटनास्थल पर मंत्री अग्निमित्रा पॉल और मंत्री कौशिक चौधरी पहुंच चुके हैं। राज्य सरकार ने लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070, 8697981070 और 033-22143526/22535185 जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक गोदाम की जमीन ओडिशा के व्यवसायी की थी जिन्होंने किसी प्रायवेट फर्म को इसे लीज पर दिया था।

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके बोले-हम आतंकवादी नहीं, प्रधान ने सीजेपी को दहशतगर्दों की बी टीम कहा था

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने यह है कि उनके हाथ 17 से ज्यादा छात्रों के खून से रंगे हैं।'

मंगलवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार चौथे दिन अपना धरना-प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के दहशतगर्दों की बी टीम वाले बयान का जवाब दिया। दीपके ने कहा, 'सोचिए प्रधान ने क्या कहा। जब हम उन छात्रों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि सीजेपी आतंकवादियों की बी टीम है। अभिजीत ने कहा- 'शिक्षा मंत्री देश के युवाओं को आतंकवादी कह रहे हैं। सर, हम आतंकवादी नहीं हैं। हमें आप जैसे लोगों से देशभक्ति के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।' इसके बाद एक्स पर एक और पोस्ट में दीपके ने लिखा, 'धर्मेंद्र प्रधान हमें आतंकवादी कहते हैं। विडंबना शिक्षा मंत्री बोले थे- जिन्हें डेमोक्रेसी ने रिजेक्ट किया, वे भेष बदलकर वापस आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि जिन्हें डेमोक्रेसी में रिजेक्ट कर दिया गया था, वे भेष बदलकर आए हैं और अब सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं, जो देश को बांटना चाहते हैं। उनकी पहचान हो गई है।प्रधान ने ये भी कहा कि कुछ लोग जानबूझकर शिक्षा को डिरेल करने की कोशिश कर रहे हैं। फिर चाहे वो कोचिंग सेंटर वाले हों या फिर शिक्षा माफिया हों, इन पर नजर रखी जा रही है। हम इन्हें घुटने पर लाएंगे, नहीं तो हम देश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकते।

आगरा में रोडवेज के पहिए निकले, बस डिवाइडर में घुसी, यात्री बोले- ड्राइवर को बार-बार झपकी आ रही थी, रोकने पर भी नहीं माना

आगरा। आगरा-दिल्ली हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। रोडवेज बस निकला। ड्राइवर काफी तेज चला रहा था बस बस में सवार यात्रियों का कहना था कि बस

अनियंत्रित होकर पलटी खाते हुए डिवाइडर में जा घुसी। बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बस में सवार 12 में से 10 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन्हें इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बस का पहिया निकल गया था, जिसकी वजह से बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा बुधवार सुबह लगभग 8.30 बजे हुआ। यूपी रोडवेज की बस मथुरा से आगरा के आईएसबीटी की तरफ आ रही थी। बस काफी स्पीड में थी। रुनकता से आगे निकलते ही सिकंदरा के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई और डिवाइडर से टकरा गई। बस के आगे के दोनों पहिये निकलकर आगरा-मथुरा रोड की साइड पर पहुंच गए। हादसा इतना भयंकर था कि बस के पलटते ही काफी तेज आवाज हुई। आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने शीशे तोड़कर घायलों को अंदर से निकाला। इसी बीच सूचना पर सिकंदरा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बस में 12 यात्री सवार थे एंबुलेंस की मदद से बस में सवार 12 में से घायल 10 यात्रियों को एसएन मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। इधर, हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। क्रेन की मदद से बस को हाईवे से हटवाया गया। इधर, हादसे के बाद बस ड्राइवर मौके से भाग ड्राइवर लवी काफी तेज बस चला रहा था। हादसे से लगभग 10 किमी पहले कुछ यात्रियों ने उसे टोका भी था। बस एक-दो जगह अनियंत्रित होने से बची थी। इसके बाद भी ड्राइवर नहीं संभला। आखिर में बस पलट गई। बस कंडक्टर सहम गया हादसे में घायल बस कंडक्टर रूपेंद्र ने बताया- मुझे इतना याद है कि गाड़ी डिवाइडर से टकराई, इससे आगे का मुझे याद नहीं रहा। मैं घबरा गया था, 1-2 मिनट के लिए बेहोश हो गया था। आंख खुली थी तो देखा कि गाड़ी पलटी हुई थी। यात्री बोले-ड्राइवर को झपकी आ गई हमने लगभग 10 किमी पहले से ड्राइवर को टोकना शुरू कर दिया था। वह गाड़ी तेज चलाकर ला रहा था।

एक-दो जगह बस अनियंत्रित हुई तो हमने ड्राइवर को टोका लेकिन उसने हमारी नहीं सुनी। आखिर में बस पलट गई। उसे बार-बार झपकी आ रही थी। ये यात्री हुए घायल धर्म सिंह, चंद्रवति, रूपेंद्र, लक्ष्मी देवी, जितेंद्र, कन्हैया, अरविंद कुमार, सचिन, श्यामवति, मोहित को एसएन मेडिकल कॉलेज में घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है। घायलों में आगरा, इटावा, खेरागढ़ और फिरोजाबाद के यात्री थे। थाना सिकंदरा के इंस्पेक्टर प्रदीप त्रिपाठी ने बताया-हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। कुछ यात्री घायल हुए हैं। बस के आगे के पहिए निकल गए, जिससे बस डिवाइडर से टकरा गई।

फ्रांस में गर्मी से 58 लोगों की मौत, न्यूक्लियर पावर प्लांट बंद करना पड़ा, इटली-ब्रिटेन में रेड अलर्ट-हीटवेव की चपेट में 26 यूरोपीय देश

पेरिस/लंदन। फ्रांस में गर्मी के कारण 58 लोगों की मौत हो गई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक लोग गर्मी से राहत पाने के लिए नदियों, झीलों और नहरों में नहाने जा रहे हैं। इसके चलते पिछले कुछ दिनों में 40 लोगों की डूबकर मौत हो गई है। इनमें ज्यादातर युवा शामिल हैं। इसके साथ ही, 2 बच्चों समेत 18 लोगों की गर्मी में लू के चलते मौत हो गई। हीटवेव के चलते फ्रांस में गोलफेश न्यूक्लियर पावर प्लांट को सोमवार रात बंद करना पड़ा। इसकी वजह यह है कि प्लांट को ठंडा करने के लिए इस्तेमाल होने वाली गारोन नदी का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका है। फ्रांस ही नहीं यूरोप के 26 देश हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन, इटली और ब्रिटेन समेत 14 देशों में गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इनमें से ज्यादातर देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंचने के करीब है। फ्रांस में पब्लिक में शराब पीने पर रोक लगी:-फ्रांस में सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर पाबंदी लगा दी है। मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार रात देश ने 1947 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद की सबसे गर्म रात दर्ज की।

दावा- ट्रम्प टैरिफ को लेकर कॉमर्स मिनिस्टर पर भड़के थे, कहा- भारत अमेरिकी सामान पर 175फीसदी टैरिफ लगाता है, तुम्हारे आंकड़े बकवास हैं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और चीन पर लगने वाले टैरिफ को लेकर एक मीटिंग में अपने ही अधिकारियों पर भड़क गए थे। एक नई किताब के मुताबिक, ट्रम्प को लगता था कि भारत अमेरिकी सामानों पर सरकारी आंकड़ों से कहीं ज्यादा टैक्स (टैरिफ) लगाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार मैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान की किताब 'रिजीम चेंजः इनसाइड द इम्पीरियल प्रेसिडेंसी ऑफ डोनाल्ड ट्रम्प' में दावा किया गया है कि ट्रम्प ने वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक से कहा था कि उन्हें भारत और चीन के टैरिफ को लेकर सही जानकारी नहीं दी जा रही। किताब के अनुसार, जब लुटनिक ने आधिकारिक आंकड़े दिखाए, तो ट्रम्प ने उन्हें भी खारिज कर दिया। उनका कहना था कि यह आंकड़े बकवास हैं। भारत अमेरिकी सामानों पर कम से कम 175फीसदी टैरिफ लगाता है। भारत का औसत टैरिफ 16फीसदी:-विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में भारत का औसत 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' टैरिफ 15.8फीसदी था। यानी कि अगर भारत 100 तरह के सामान आयात करता है, तो उन सभी पर लगने वाले टैरिफ का औसत लगभग 16फीसदी बैठता है। वहीं 2023 में व्यापार-भारित औसत टैरिफ करीब 12फीसदी रहा। इसमें उन सामानों को ज्यादा महत्व दिया जाता है जिनका व्यापार अधिक होता है। यानी वास्तविक व्यापार में भारत पर आने वाला औसत टैरिफ लगभग 12फीसदी के आसपास पड़ता है। यही वजह है कि डब्लूटीओ और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) की रिपोर्टों में भारत को उच्च टैरिफ वाला देश तो कहा जाता है, लेकिन कभी पूरे भारतीय टैरिफ इन्फ्रा के लिए 175फीसदी का आंकड़ा नहीं दिया गया है। हावर्ड लुटनिक, जो ट्रम्प की टैरिफ नीति के प्रमुख समर्थकों में रहे हैं, उन्होंने जनवरी 2025 में सीनेट में अपनी पुष्टि सुनवाई के दौरान भी भारत और चीन का उदाहरण दिया था। उनका तर्क था कि ऊंचे टैरिफ का मतलब हमेशा महंगाई नहीं होता, क्योंकि भारत और चीन में टैरिफ ज्यादा होने के बावजूद महंगाई नियंत्रित रही है। किताब के मुताबिक, बाद में लुटनिक ऐसी स्थिति में फंस गए जहां एक तरफ ट्रम्प राजनीतिक रूप से टैरिफ के बड़े दावे कर रहे थे और दूसरी तरफ सरकारी आंकड़े उन दावों से मेल नहीं खा रहे थे। ट्रम्प ने यूक्रेन जंग को लेकर कहा था- भारत नहीं मानेगाः-किताब में भारत का जिक्र केवल व्यापार विवाद तक सीमित नहीं है। इसमें एक और दिलचस्प दावा किया गया है कि ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के कुछ दिनों बाद यूक्रेन युद्ध को लेकर हुई एक बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भारत का नाम संभावित शांति सेना भेजने वाले देशों में शामिल किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 30 जनवरी 2025 को ओवल ऑफिस में हुई बैठक में ट्रम्प के रूस-यूक्रेन दूत कीथ केलॉग ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने का एक प्रस्ताव पेश किया था। इस दौरान अमेरिका में यूक्रेन में शांति सैनिक भेजने को लेकर एक बैठक चल रही थी। बैठक में जब फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड जैसे नाटो (नाटो) देशों के सैनिक भेजने का प्रस्ताव आया, तो जेडी वेंस ने इस पर चिंता जताई। वेंस का मानना था कि नाटो सैनिकों को यूक्रेन भेजने से रूस नाराज हो सकता है और अमेरिका भी सीधे युद्ध में फंस सकता है। इसके बाद जेडी वेंस ने सुझाव दिया कि क्यों न गैर-यूरोपीय देशों से मदद ली जाए। वेंस ने इस काम के लिए सऊदी अरब और भारत का नाम आगे बढ़ाया। किताब में दावा किया गया है कि वेंस का सुझाव सुनते ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प हंस पड़े थे। उन्होंने कहा, 'भारतीय ऐसा कभी नहीं करेंगे। वो इस तरह की किसी चीज के लिए अपनी जेब से पैसा खर्च नहीं करेंगे।'ट्रम्प ने कहा था- मोदी मुझे बहुत पसंद करते हैं किताब में यह भी दावा किया गया कि ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा था कि वे उन्हें बहुत पसंद करते हैं। और उनसे मिलने अमेरिका आना चाहते हैं। ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर भी निशाना साधा।

पद्म भूषण मिलने के बाद भावुक हुईं सिंगर अल्का याग्निक,कहा- मुश्किल दौर से गुजर रही हूं- 2 साल पहले अचानक सुनाई देना बंद हुआ

नयी दिल्ली। सिंगर अल्का याग्निक को मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। सम्मान लेने से पहले सिंगर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद लिया और फिर अवॉर्ड लेने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तरफ कदम बढ़ाए। सम्मान मिलने के बाद अब सिंगर ने एक भावुक पोस्ट शेयर कर बताया है कि वो पिछले 2 साल से मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ तस्वीर शेयर करते हुए अल्का याग्निक ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, 'पिछले 2 सालों से मैं लोगों की नजरों से दूर रही हूं। न सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल हुई और न ही अपनी जिंदगी के बारे में ज्यादा कुछ शेयर किया। आप में से कई लोग जानते हैं कि मैं स्वास्थ्य संबंधी मुश्किल दौर से गुजर रही थी। ऐसे समय में आपका प्यार, दुआएं, संदेश और अटूट समर्थन हर कदम पर मेरे साथ रहा।' आगे उन्होंने लिखा, 'आज जब मैं देश के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों में से एक पद्म भूषण प्राप्त करने के लिए बाहर निकली, तो मेरा दिल कृतज्ञता से भरा हुआ था। यह सम्मान मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला है। भले ही

इस पर मेरा नाम लिखा हो, लेकिन यह सम्मान उतना ही उन सभी लोगों का है जिन्होंने मेरी आवाज को अपनाया, मेरे गीतों को पीढ़ियों तक जिंदा रखा और मेरे अच्छे-बुरे हर दौर में मेरा साथ दिया।' 'यह पल मेरे लिए इसलिए भी खास है क्योंकि यह सिर्फ मेरे काम की पहचान नहीं, बल्कि प्यार, उम्मीद और हौसले से मिलने वाली ताकत की याद भी है। मैं धीरे-धीरे फिर से अपने जीवन की राह पर लौट रही हूं और आज यहां आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

यह सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि आप सभी के लिए भी है, जो इस सफर का हिस्सा रहे हैं।' अल्का याग्निक को है रेयर न्यूरो डिसीज, सुनने में होती है दिक्कतः- सिंगर अल्का याग्निक पिछले 2 सालों से म्यूजिक से दूर हैं। उन्हें रेयर न्यूरो डिसीज है, जिसके चलते उन्हें सुनाई देना लगभग बंद हो गया है। इलाज के बीच उन्हें लाउड म्यूजिक से दूर रहने की सलाह दी गई है। अल्का याग्निक ने 2 साल पहले इसकी जानकारी देते हुए म्यूजिक से ब्रेक लेने की घोषणा की थी। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा था, 'कुछ हफ्ते पहले जब मैं एक फ्लाइट से बाहर निकली, तो अचानक मुझे सुनाई देना बंद हो गया। उस घटना के बाद कई हफ्तों तक हिम्मत जुटाने के बाद अब मैं अपनी चुप्पी तोड़ना

अलका याग्निक के कुछ हिट गाने

गाने	फिल्म
टिप टिप बरसा पानी..	मोहरा
देखा है पहली बार...	साजन
एक दो तीन...	तेजाब
चोली के पीछे...	खलनायक
कुछ कुछ होता है..	कुछ कुछ होता है
ताल से ताल मिला...	ताल
दिल ने ये कहा दिल से...	धड़कन
पंछी नदिया पवन...	रिफ्यूजी
हैरत-ए-आशिकी	गुरु
अगर तुम साथ हो...	तमाशा

चाहती हूं, क्योंकि बहुत से लोग पूछ रहे थे कि मैं इन दिनों नजर क्यों नहीं आ रही हूं। डॉक्टरों ने बताया है कि मुझे एक रेयर बीमारी हुई है, जिसे सेंसरी न्यूरल हियरिंग लॉस कहा जाता है। यह एक वायरल संक्रमण के कारण हुआ है।

यह अचानक आई बड़ी समस्या थी, जिसके लिए मैं बिल्कुल तैयार नहीं थी।' आगे उन्होंने लिखा था, 'मैं अभी इस स्थिति को समझने और स्वीकार करने की कोशिश कर रही हूं। आप सबसे बस यही अनुरोध है कि मुझे अपनी दुआओं में याद रखें। अपने फैंस और युवा साथियों से मैं यह भी कहना चाहती हूं कि बहुत तेज आवाज वाले संगीत और हेडफोन के ज्यादा इस्तेमाल से सावधान रहें।' 'एक दिन मैं अपने पेशे से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं और उनसे होने वाले खतरों के बारे में विस्तार से बात करना चाहूंगी। फिलहाल, आप सभी के प्यार और समर्थन के सहारे मैं अपनी जिंदगी को फिर से सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि जल्द ही आप सबके बीच वापस लौटूंगी।' इन सेलेब्स को मिला पद्म भूषण सम्मानः-अल्का याग्निक के अलावा साउथ स्टार ममूटी को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। ममूटी 50 साल से फिल्मों में एक्टिव हैं। कई भाषाओं में 400 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। वे चैरिटी का काम भी करते हैं।वेटरन एक्टर सतीष कौशिक को भी मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया। चार दशकों के करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर सतीश शाह ने कई फिल्मों और यादगार टीवी शो में काम किया। एक्टर, फिल्ममेकर और स्क्रीनराइटर माधवन रंगनाथन को भारतीय सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। हाल ही में एक्टर फिल्म धुरंधर से चर्चा में हैं।

सहेली का पति फ्लर्ट करता है, मुझे अजीब लगता है, क्या एक मैरिड आदमी का ऐसा व्यवहार सही है, मैं क्या करूं?

नोएडा। कुछ लोग ऐसे होते हैं और पूरी दुनिया एक जैसी तो नहीं हो सकती महत्व ये रखता हैं की आप उसे हैंडल कैसे करती हैं ऐसी विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 32 साल है। एक साल पहले मेरी बेस्ट फ्रेंड की शादी हुई। वो अपनी शादी में बहुत खुश है, लेकिन उसका हसबैंड कई बार मेरे साथ फ्लर्ट करता है। हालांकि मैं भी उसे हंसी-मजाक में ही लेने की कोशिश करती हूं, लेकिन मुझे बड़ा अजीब लगता है। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है? क्या एक शादीशुदा आदमी का अपनी वाइफ की फ्रेंड के साथ इस तरह फ्लर्ट करना सही है?जवाब- मैं आपके सवाल से जुड़ी उलझन समझ सकती हूं। ऐसी स्थिति में अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं कि सामने वाला सिर्फ फ्रेंडली है या उसकी नीयत कुछ और है। खासकर तब, जब वह व्यक्ति आपकी करीबी दोस्त का पति हो। तो चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। क्या ये फ्लर्ट अनहेल्दी है? साइकोलॉजी के मुताबिक, हर फ्लर्टिंग का मकसद हमेशा गलत या बुरा नहीं होता। कुछ लोग स्वभाव से बहुत ज्यादा जिंदादिल, सोशल और 'चार्मिंग' होते हैं। वे माहौल को हल्का-फुल्का और खुशनुमा बनाए रखने के लिए हंसी-मजाक या हेल्दी फ्लर्टिंग करते हैं। इसे 'सोशल फ्लर्टिंग' भी कहते हैं। यह सब इस पर निर्भर करता है कि कोई किस समय, किस माहौल में, किस तरीके और किन शब्दों के साथ

से फ्लर्ट कर रहा है। हालांकि, कुछ मामलों में यह बिहेवियर इरादतन, बाउंड्रीज से बाहर और खराब भी हो सकता है। आपको सबसे पहले उनका बिहेवियर पैटर्न नोटिस करना चाहिए। साथ ही सिचुएशन को बेहतर ढंग से समझने के लिए खुद से ये सवाल पूछने चाहिए- वह कब, किस सिचुएशन में फ्लर्ट करता है? क्या वह सिर्फ अकेले में फ्लर्ट करता है? क्या वह अपनी वाइफ के सामने भी फ्लर्ट करता है? क्या वह बाकी दोस्तों के सामने भी फ्लर्ट करता है? क्या वो दूसरों से भी इसी खिलंदड़े अंदाज में पेश आता है? क्या अकेले में उसका व्यवहार बदल जाता है? क्या अकेले में और दूसरों के सामने उसका व्यवहार एक जैसा होता है?क्या उसकी वाइफ इस बात से वाकिफ है? क्या उसकी वाइफ को इस बात का बुरा लगता है? क्या वह आपकी तय की बाउंड्रीज को क्रॉस करता है? खुद को देने हैं जवाबः- ये सवाल आपको खुद से पूछने हैं और इनका जवाब खुद को ही देना है। अगर वह- वाइफ के सामने और पीठ पीछे एक जैसा व्यवहार करते हैं।बाकियों के साथ भी वैसे ही पेश आते हैं, जैसे आपके साथ। अकेले में उनका व्यवहार बदलता नहीं है। उनकी वाइफ को पता है और उन्हें प्रॉब्लम नहीं है। तो ये अपने आप में कोई बड़ी समस्या नहीं है। यहां कोई दुराव-छिपाव नहीं है। फ्लर्ट हर बार समस्या नहीं होती। लेकिन यहां समझने वाली बात ये है कि अगर उनका फ्लर्ट करना आपको पसंद नहीं तो उन्हें आपकी बाउंड्री की रिस्पेक्ट करनी चाहिए। इसके लिए आप ये काम करें- साफ शब्दों में बताएं कि उनकी बातचीत का ये तरीका आपको पसंद नहीं है। बिना कनफ्यूजन के अपनी इच्छा को

स्पष्ट शब्दों में कम्युनिकेट करें। ये बात अपनी सहेली को भी साफ-साफ बताएं। लेकिन यहां कुछ जरूरी सवाल और भी हैं। जैसेकि- क्या फ्लर्टिंग हमेशा, हर स्थिति बुरी ही होती है? हम फ्लर्टिंग को जैसे देखते और रिसीव करते हैं, उसमें हमारी परवरिश का कितना योगदान होता है? एक समझदार वयस्क के रूप में हमें इसे कैसे समझने की कोशिश करनी चाहिए? क्या फ्लर्टिंग हमेशा गलत? फ्लर्टिंग को लेकर व्यक्ति और समाज के रूप में हमारा नजरिया अक्सर पूर्वाग्रह और असहजता से भरा होता है। इसके लिए परवरिश जिम्मेदार है। प्रकृति और जीव-जगत की बात करें तो वहां ऐसा कोई जीव नहीं, जो फ्लर्ट नहीं करता। हर जीव किसी-न-किसी रूप में आकर्षण व्यक्त करता है और कम्युनिकेट करता है। यानी सांस लेने और भोजन करने की तरह यह भी एक स्वाभाविक व्यवहार है। आखिर फ्लर्टिंग क्या है? यह दो लोगों के बीच आपसी सहमति से होने वाला एक हल्का-फुल्का और दोस्ताना संवाद है। यह किसी के प्रति अपना इंटरेस्ट या आकर्षण जताने का एक तरीका भी हो सकता है। अपने आप में फ्लर्टिंग गलत या बुरी नहीं है। सबसे पहले जरूरी सहमतिः- सवाल यह नहीं है कि फ्लर्टिंग सही है या गलत। असली सवाल यह है कि उसमें सहमति है या नहीं। जो कुछ भी हो रहा है, क्या वह दोनों लोगों की इच्छा से हो रहा है? अगर सहमति नहीं है तो वही व्यवहार गलत और असहज लग सकता है।फ्लर्टिंग क्या नहीं है? साथ ही ये भी समझना उतना ही जरूरी है कि फ्लर्टिंग क्या नहीं है। इससे दोनों के बीच फर्क करना और अपनी बाउंड्रीज बनाना आसान होगा।हमारे समाज में स्त्री-पुरुषों के बीच सहजता का अभाव है। सोशल कंडीशनिंग ऐसी है कि अरेंज मैरिज के अलावा किसी भी प्रकार के स्त्री-पुरुष संवाद को अक्सर संदेह की नजर से देखा जाता है। इसलिए किसी पुरुष और महिला का सामान्य बातचीत करना, तारीफ करना या हल्का-फुल्का मजाक करना भी लोगों को असामान्य लग सकता है। कुल-मिलाकर फ्लर्टिंग एक स्वाभाविक मानवीय व्यवहार है, लेकिन उसकी स्वीकार्यता और नैतिकता का आधार केवल एक है- आपसी सहमति और सम्मान। कैसे पहचानें कि फ्लर्टिंग का इरादा गलत? अपने पूर्वाग्रह को चेक करने के बाद भी, अगर आपकी 'गट फीलिंग' बार-बार कह रही है कि कुछ गलत है, तो उसे नजरअंदाज न करें। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर और गलत इरादे से फ्लर्ट कर रहा है, तो उसके बिहेवियर में ये 'रेड फ्लैग्स' दिखाई देंगे- टोन बदलना बातचीत का दोस्ताना से पर्सनल होना। गलत टच बिना वजह करीब आना या छूना। सीक्रेट चैट लेट नाइट मैसेज या डबल मीनिंग बातें। छिपाना 'उसे मत बताना' जैसी कंसेंट आपकी सहमति की रिस्पेक्ट न करना। बातें करना।रिश्तों में 'बाउंड्री' तय करना क्यों जरूरी? रिश्ता चाहे कितना भी करीबी क्यों न हो, बाउंड्री हर रिश्ते में जरूरी है। फ्लर्टिंग में कुछ सही या गलत नहीं होता। सवाल सिर्फ इतना ही है कि इसके लिए सहमति यानी कंसेंट है या नहीं। अगर आपका कंसेंट नहीं है तो बाउंड्री बनाएं। सामने वाले को नाराज करने के डर से या कूल दिखने के लिए फ्लर्ट को 'स्पोर्टिंगली' लेने की जरूरत नहीं है। अपनी असहजता को दबाने की बजाय अपनी सीमाओं को री-डिफाइन करें। अकेले में बिल्कुल न मिलें। पर्सनल मैसेज का जवाब न दें। फ्लर्ट करे तो वहीं रोक दें। तुरंत बातचीत का विषय बदलें। पर्सनल चैट न करें। हंसें नहीं, न्यूट्रल रिएक्शन दें।असहज होने पर क्या करें? इस स्थिति में 3 प्रैक्टिकल स्टेप्स ले सकती हैं- स्पष्ट और विनम्र रहें- अगली बार असहजता होने पर मुस्कुराकर टालने की बजाय फॉर्मल रहें। आप कह सकती हैं, 'मुझे इस तरह का मजाक पसंद नहीं है, उम्मीद है आप इसका सम्मान करेंगे।' सहेली से बातचीत- अगर बाउंड्री तय करने के बाद भी बिहेवियर न बदले, तो अपनी दोस्त से बात करें। बताएं कि, 'मुझे कभी-कभी तुम्हारे हसबैंड के बात करने का तरीका असहज करता है।' गिल्ट से बचें- ऐसी स्थितियों में महिलाएं अक्सर खुद को दोषी मानने लगती हैं। याद रखें, अपनी मानसिक शांति के लिए सीमाएं तय करना आपका हक है। इसके लिए गिल्ट महसूस न करें। अगर दोस्त का पति सबके सामने मजाक करता है तो यह उसका फ्रेंडली नेचर हो सकता है। लेकिन अगर वह सिर्फ अकेले में फ्लर्ट करता है तो उसका इरादा गलत हो सकता है। अगर फ्लर्टिंग असहज करे तो उसे रोक दें। अंतिम बातः- किसी भी स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद आपसी सम्मान और पर्सनल बाउंड्रीज पर निर्भर होती है। असहजता होने पर अपनी भावनाओं को न दबाएं। 'कूल' दिखने के दबाव में न आएं। अपनी बाउंड्री बनाना मैच्योरिटी की निशानी है। यही हेल्दी तरीका है। खुद पर भरोसा रखें और अपनी सीमाओं का सम्मान खुद से शुरू करें।

पीरियड्स में हाइजीन आवश्यक, लापरवाही से बढ़ता है यूरिन इन्फेक्शन का रिस्क, इमरजेंसी किट में ये 9 चीजें हमेशा साथ रखें

जयपुर। महिलाओं को हर महीने 3 से 7 दिन पीरियड्स होते हैं। इस दौरान मेंस्ट्रुअल फ्लो के कारण प्राइवेट एरिया में नमी बनी रहती है। ऐसे में अगर साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए तो रैशेज, खुजली और यूटीआई (यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन) जैसी हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ सकता है। इसलिए पीरियड्स के दौरान हाइजीन का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इससे इन्फेक्शन का रिस्क कम होता है, महिलाओं की रिप्रोडक्टिव समेत ओवरऑल हेल्थ भी अच्छी रहती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात पीरियड हाइजीन की। साथ ही जानेंगे कि-पीरियड्स में हाइजीन कैसे मेंटेन करें? ऑफिस में पीरियड हाइजीन कैसे मेन्टेन करें? विषय पर बात करेंगे एक्सपर्ट- डॉ. प्रतिमा पोद्दार, सीनियर कंसल्टेंट, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- पीरियड हाइजीन क्या है? जवाब- पीरियड्स के दौरान साफ-सफाई और पर्सनल हाइजीन मेंटेन करना ही पीरियड हाइजीन है। इससे इन्फेक्शन और कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क कम हो जाता है। सवाल- पीरियड्स के दौरान हाइजीन क्यों जरूरी है? जवाब- यह रिप्रोडक्टिव हेल्थ को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। नीचे ग्राफिक में देखिए, पीरियड हाइजीन क्यों जरूरी है- ताकि इन्फेक्शन ना हो। पीएच बैलेंस बना रहे। थाई रैशेज न हो। यूटीआई का रिस्क न बढ़े। बैड स्मेल न हो। खुजली, डिसकंफर्ट न हो। रिप्रोडक्टिव हेल्थ ठीक रहे। डिजीज का रिस्क न बढ़े पीरियड्स के दौरान साफ-सफाई न रखने से प्राइवेट एरिया में बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं। इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क हो सकता है।सवाल- क्या पीरियड्स के दौरान संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है? जवाब- हां, पीरियड्स के दौरान संक्रमण का रिस्क बढ़ सकता है। इसकी कई वजहें हैं-प्राइवेट एरिया में लगातार नमी रहना। बैक्टीरिया और फंगस को अनुकूल माहौल मिलना। वेजाइनल पीएच लेवल में बदलाव होना। गुड बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ना।लंबे समय तक पैड या टैम्पॉन न बदलना। सवाल- क्या हर बार पैड बदलने पर वॉश करना जरूरी है? जवाब- नहीं, हर बार पैड बदलने पर वॉश करना जरूरी नहीं है। लेकिन दिन में कम-से-कम दो बार साफ पानी से उस एरिया की सफाई करना जरूरी है। खासतौर पर सुबह

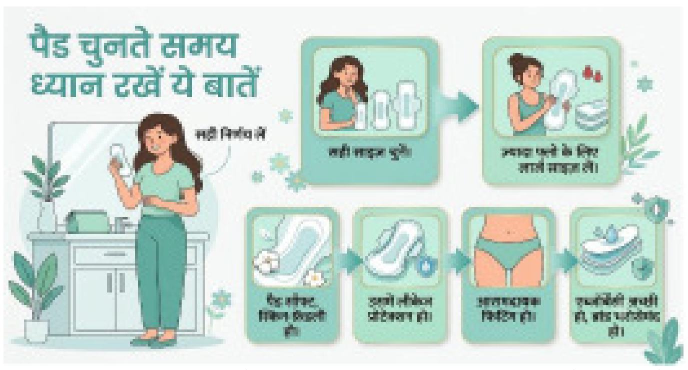

और रात में सोने से पहले। सवाल- क्या सिर्फ पानी से सफाई पर्याप्त है? जवाब- हां, वेजाइना का सेल्फ-क्लीनिंग सिस्टम पीएच बैलेंस बनाए रखता है। सवाल- क्या साबुन या इंटिमेट वॉश यूज करना चाहिए? जवाब- नहीं, सिर्फ पानी से सफाई करना ही पर्याप्त है। साबुन या इंटिमेट वॉश से कई समस्याएं हो सकती हैं- वेजाइना का पीएच बैलेंस बिगड़ सकता है। ड्राईनेस हो सकती है। जलन और खुजली हो सकती है। गुड बैक्टीरिया का बैलेंस बिगड़ सकता है। इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ सकता है। जरूरत होने पर माइल्ड, पीएच -बैलेंस्ड और बिना खुशबू वाला इंटिमेट वॉश इस्तेमाल कर सकते हैं। सवाल- पीरियड्स में नहाना चाहिए या नहीं? जवाब- हां, यह साफ-सफाई और पर्सनल हाइजीन के लिए जरूरी है। इससे स्मेल व चिपचिपाहट से भी राहत मिलती है। सवाल- क्या पीरियड्स में गर्म पानी से नहाना फायदेमंद होता है? जवाब- हां, इसके कई फायदे हैं- मसल्स को आराम मिलता है। पीरियड क्रैम्प्स में राहत मिलती है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। स्ट्रेस और थकान से राहत मिलती है। मूड बेहतर होता है। सवाल- सैनिटरी पैड कितनी देर में बदलना चाहिए? जवाब- हर 4-6 घंटे में पैड बदलना बेसिक हाइजीन रूल है। अगर ब्लीडिंग ज्यादा हो तो इससे पहले भी बदल सकते हैं।सैनिटरी पैड को हर 4-6 घंटे में बदलना सबसे सेफ होता है। लंबे समय तक एक ही यूज करने से नमी और बैक्टीरिया बढ़ते हैं। इससे इन्फेक्शन, रैशेज और यूटीआई का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- अगर फ्लो कम हो तो भी पैड बदलना जरूरी है? जवाब- हां, पैड में नमी और पसीना जमा हो सकता है। इससे बैक्टीरिया पनपने का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- रात में कितने घंटे तक एक ही पैड इस्तेमाल कर सकते हैं?जवाब- यह फ्लो पर निर्भर करता है। आमतौर पर रात में (6-8 घंटे तक) एक ही पैड काफी होता है। ध्यान रखें- सोने से पहले हमेशा फ्रेश पैड यूज करें। सुबह उठते ही तुरंत बदलें। बहुत लंबे समय (8-10 घंटे से ज्यादा) तक एक ही पैड न रखें। सवाल- सही सैनिटरी पैड कैसे चुनें? जवाब- पैड का चुनाव अपने फ्लो, एक्टिविटी और स्किन की सेंसेटिविटी के अनुसार करना चाहिए।सवाल- क्या फ्रेगरेंस (सुगंध) वाले पैड यूज करना सेफ है? जवाब- नहीं, इनमें मौजूद फ्रेगरेंस वाले केमिकल्स से स्किन में जलन, खुजली, एलर्जी या रैशेज हो सकते हैं। सवाल- पीरियड्स में रैशेज क्यों हो जाते हैं? जवाब- इसकी कई वजहें हैं। जैसे-ज्यादा नमी होना। लगातार रगड़ होना। पैड देर तक पहनना। खुशबू वाले पैड यूज करना। टाइट कपड़े पहनना। सवाल- रैशेज न हों, इसके लिए क्या करें?जवाब- पीरियड्स के दौरान रैशेज से बचाव के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें, जैसे- समय पर पैड बदलें। प्राइवेट एरिया को साफ और ड्राई रखें। सही और सॉफ्ट पैड चुनें। ढीले, कॉटन के कपड़े पहनें। खुशबू वाले पैड यूज न करें। हार्श साबुन या इंटिमेट वॉश न यूज करें। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से बैरियर क्रीम लगाएं। सवाल- कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- पीरियड्स के दौरान कुछ लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए। जैसे- रैशेज लंबे समय तक बने रहें। स्किन छिलने लगे या घाव बन रहा हो। असामान्य डिस्चार्ज या स्मेल हो। बहुत ज्यादा ब्लीडिंग हो। बहुत ज्यादा क्रैम्प्स हों। फीवर, चक्कर या ज्यादा कमजोरी महसूस हो। इन सभी कंडीशंस में डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह किसी इन्फेक्शन या दूसरी समस्या का संकेत हो सकता है। सवाल- इस्तेमाल किए गए पैड को सही तरीके से कैसे फेंकें? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए- इस्तेमाल के बाद पैड को अंदर की तरफ मोड़ें। पुराने अखबार या पैड के रैपर में अच्छे से कवर करें। हमेशा कूड़ेदान (ढक्कन वाले बिन) में ही डालें। अगर संभव हो तो बायोडिग्रेडेबल पैड या मेंस्ट्रुअल कप जैसे ऑप्शंस चुनें। सवाल- क्या पैड को फ्लश करना चाहिए? जवाब- नहीं, इससे सीवेज सिस्टम जाम हो सकता है, गंदगी और बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं। हाइजीन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- ऑफिस में पीरियड हाइजीन कैसे बनाए रखें? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- एक्स्ट्रा पैड या टैम्पॉन हमेशा साथ रखें। अनसेंटेड वेट वाइप्स रखें।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।